घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 10- गुरूवार 12- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मोदी कैबिनेट में 77,101 करोड़ रुपये के 5 बड़े फैसले...किसानों को सस्ती खाद,नोएडा मेट्रो का विस्तार और छोटे कारोबारियों को कर्ज की गारंटी मंजूरी

नई दिल्ली,11 नवम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश के कृषि, उद्योग, शहरी परिवहन और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सरकार ने कुल 77,101 करोड़ रुपये के पांच बड़े प्रस्तावों पर मुहर लगाई है। इन फैसलों का सीधा संबंध किसानों, छोटे कारोबारियों,उद्यमियों और दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लाखों लोगों से है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार का उद्देश्य किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराना,छोटे उद्यमों को संस्थागत ऋण की सुविधा देना, शहरी परिवहन को बेहतर बनाना और देश की ऐतिहासिक विरासत को विश्वस्तरीय पहचान दिलाना है। इस पैकेज में सबसे बड़ा हिस्सा किसानों के लिए रखा गया है। वहीं, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो कनेक्टिविटी को मजबूत करने तथा महिलाओं,अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को वित्तीय सहायता देने के फैसले भी खास महत्व रखते हैं।



कैबिनेट के ये पांच बड़े फैसले : किस मद में कितनी रकम?

- कुल स्वीकृत पैकेज : 77,101 करोड़
- रबी उर्वरक सब्सिडी : 62,370 करोड़
- एमएसएमई क्रेडिट गारंटी फंड : 9,111 करोड़।
- युगे युगीन भारत संग्रहालय : 3,230 करोड़।
- नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो : 2,390 करोड़।

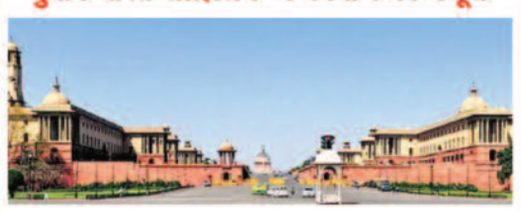
नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो परियोजना पर 2,390 करोड़ रुपये खर्च होंगे

दिल्ली-एनसीआर के लिए कैबिनेट का यह फैसला खास महत्व रखता है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए 2,390 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा तेजी से विकसित होते औद्योगिक, आवासीय और व्यावसायिक केंद्र हैं। यहां बड़ी संख्या में नौकरीपेशा लोग, विद्यार्थी और कारोबारी प्रतिदिन आवागमन करते हैं। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से सार्वजनिक परिवहन को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

कैबिनेट : उर्वरक सब्सिडी,ऋण गारंटी और स्टैंडअप योजना को जारी रखने को मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने किसान,सूक्ष्म उद्योगों और उद्यमिता के लिए बनी उर्वरक सब्सिडी, ऋण गारंटी और स्टैंडअप योजना को जारी रखने को मंजूरी दी है। सब्सिडी योजना को रबी सीजन और बाकी दोनों योजनाओं को 31 मार्च तक जारी रखने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज उक्त योजनाओं के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। मंत्रिमंडल ने रबी 2026-27 के लिए फॉस्फेटिक और पोटैशिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी दी है। इसके अलावा सूक्ष्म इकाइयों के लिए ऋण गारंटी कोष (सीजीएफएमयू) और स्टैंड-अप इंडिया योजना को अगले पांच साल के लिए 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी। पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड के उर्वरकों पर लागू होंगी,जिससे किसानों को ये उर्वरक किफायती दामों पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसपर अनुमानित बजटीय आवश्यकता 62,370.02 करोड़ (लगभग) है। वहीं,ऋण गारंटी कोष (सीजीएफएमयू) के विस्तार से अगले पांच वर्षों में 12.6 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए जा सकेंगे। यह कोष प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत दिए गए ऋणों के लिए ऋण गारंटी प्रदान करता है। आज 5,000 करोड़ रुपये के कोष को मंजूरी दी गई है। इससे 12.6 लाख करोड़ रुपये के पीएमएमवाई ऋणों को सुगम बनाया जा सकेगा। इस कोष का उद्देश्य ऋण देने वाली संस्थाओं (एलआईएस) को पात्र सूक्ष्म उद्यमों को 20 लाख रुपये तक के ऋण, प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों के तहत बैंकों द्वारा प्रदान किए गए 10,000 रुपये तक के ओवरड्राफ्ट और स्वयं सहायता समूहों को दिए गए ऋण (जिनका पोर्टफोलियो ?10 लाख से ?20 लाख के बीच है) की सुविधा देता है। स्टैंड-अप इंडिया योजना का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में अतिरिक्त 2.5 लाख उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। योजना महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य अतिरिक्त 2.5 लाख उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। ऋण मिश्रित (कार्यशील पूंजी और सावधि ऋण) या सावधि ऋण के रूप में 10.00 लाख रुपये से अधिक और 1.00 करोड़ रुपये तक (परियोजना लागत के 85% तक) की राशि के लिए उपलब्ध होगा।

कैबिनेट : नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में 'युगे युगीन भारत संग्रहालय' के निर्माण को मंजूरी



केन्द्र सरकार ने बुधवार को नई दिल्ली के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक कॉम्प्लेक्स में 'युगे युगीन भारत संग्रहालय' के निर्माण को मंजूरी दे दी। यह संग्रहालय भारत की सभ्यतागत विरासत की निरंतरता और विविधता को इसकी मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के एकीकृत विवरण के माध्यम से प्रदर्शित करेगा। परियोजना की लागत 3,230 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक ऐतिहासिक सभ्यता संग्रहालय होगा। यह भारत की समृद्ध और विविध सभ्यतागत विरासत को उसके मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के एकीकृत वर्णन के माध्यम से प्रदर्शित करता है। संग्रहालय को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक चरणों में विकसित किया जाएगा। एक समय में सत्ता का केन्द्र रहे ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक भवनों का उनकी स्थापत्य शैली और विरासत महत्व को संरक्षित करते हुए अनुकूल रूप से पुनः उपयोग किया जाएगा। मंत्री के अनुसार भारत की सभ्यतागत यात्रा, सांस्कृतिक परंपराओं, ज्ञान प्रणालियों, कलात्मक प्रथाओं और विरासत को प्रदर्शित करने के लिए क्यूरेटेड विषयगत दीर्घाएँ और प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि 18 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युगे युगीन भारत संग्रहालय की स्थापना की घोषणा की थी। इसमें मौजूद सरकारी कार्यालयों का स्थानांतरण हो चुका है।

कुलगाम में आतंकी हमला...सीआरपीएफ दल पर बाइक सवार आतंकियों ने की फायरिंग हमले में 3 जवान घायल

श्रीनगर,11 नवम्बर 2026। कश्मीर घाटी के कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने सीआरपीएफ दल पर गोलीबारी की है। गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आतंकी हमला गश्त के दौरान किया गया। हमले के बाद आतंकियों ने भागने की कोशिश की। कुलगाम क्विक रियेक्शन टीम हमले की जगह पहुंच गई है। टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया है।



सीआरपीएफ के अनुसार,केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान आज दोपहर जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में एक नाके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में घायल हो गए। यह घटना दोपहर करीब 2.15 बजे हुई जब हमलावरों ने मौके से भागने से पहले सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलियां चलाईं। घायल जवानों को इलाज के लिए अनंतनाग जिले के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। शुरुआती जानकारी में 46वीं बटालियन केसीआरपीएफ कैंप को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई थी,हालांकि बाद में सीआरपीएफ ने नाके पर तैनात जवानों पर हमले की पुष्टि की। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश के लिए अभियान शुरू किया गया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। फिलहाल हमलावरों की पहचान और हमले के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 : सुपर स्वच्छ लीग में नवी मुंबई नंबर वन...सूरत दूसरे नंबर पर रहा,राजस्थान में जयपुर,एमपी में ग्वालियर सबसे साफ

नई दिल्ली,11 नवम्बर 2026। राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू ने बुधवार को स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 के पुरस्कार दिए। इस बार सुपर स्वच्छ लीग में नवी मुंबई पहले, सूरत दूसरे और आंध्र प्रदेश का विजयवाड़ा तीसरे स्थान पर रहा है। पिछले सर्वेक्षण में सुपर स्वच्छ लीग में इंदौर पहले, सूरत दूसरे और नवी मुंबई तीसरे स्थान पर थे। इसके अलावा राजस्थान में जयपुर और मध्य प्रदेश में ग्वालियर को सबसे स्वच्छ शहर बताया गया है। अहमदाबाद को मेंटर सिटी कैटेगरी में पहला, इंदौर को दूसरा और तिरुपति को तीसरा स्थान मिला। स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत इनके साथ क्रमशः साणंद, देपालपुर और कुप्पम को मेंटी सिटी बनाया गया था।



नौसेना के युद्धपोत बेतवा की मरम्मत 500 करोड़ रुपये से होगी,युद्धक क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली,11 नवम्बर 2026। पिछले एक दशक में कई दुर्घटनाओं का शिकार हुए भारतीय नौसेना के पोत आईएनएस बेतवा की मरम्मत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में कराई जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में 498.58 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। ब्रह्मपुत्र श्रेणी के इस युद्धपोत की प्रणोदन प्रणाली में व्यापक बदलाव किया जाएगा। मरम्मत के बाद आधुनिक हथियार प्रणाली के माध्यम से पोत की युद्धक क्षमता बढ़ेगी। इस परियोजना से जहाजों की मरम्मत एवं रखरखाव से जुड़े स्वदेशी औद्योगिक तंत्र की क्षमताएं और सुदृढ़ होंगी। विशेष रूप से इससे जटिल प्रणोदन प्रणाली में बदलाव तथा नौसैनिक प्लेटफॉर्म के आधुनिकीकरण के क्षेत्र में देश की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना में 50 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी होने की उम्मीद है। साथ ही भारतीय जहाज निर्माण उद्योग और उससे जुड़े सहायक क्षेत्रों में रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के विजन को नई गति प्रदान करेगी तथा देश की स्वदेशी नौसैनिक पोत मरम्मत एवं रखरखाव क्षमताओं को और मजबूत करेगी। इजराइल-लेबनान संघर्ष शुरू होने के समय 2006 में बेतवा युद्धपोत टास्क फोर्स 54 का हिस्सा था, जो भूमध्य सागर से लौट रहा था। ऑपरेशन सुकून के एक हिस्से के रूप में बेतवा ने लेबनान से साइप्रस तक भारतीय नागरिकों को निकालने में भाग लिया।



मदर डेयरी दूध 4 प्रति लीटर तक महंगा...फुल क्रीम दूध 76 और टोंड 62 का,6 महीने में दूसरी बार दाम बढ़ाए

नई दिल्ली,11 नवम्बर 2026। दिल्ली-एनसीआर में दूध की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई है। मदर डेयरी ने दूध की विभिन्न श्रेणियों के दाम दो से चार रुपये प्रति लीटर तक बढ़ा दिए हैं। नई कीमतें गुरुवार, 12 नवंबर से लागू होंगी। इससे आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, दूध खरीदने की लागत बढ़ने के कारण मदर डेयरी ने कीमतों में संशोधन किया है। कंपनी ने इससे पहले 14 मई 2026 को दूध के दाम बढ़ाए थे। उससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में बदलाव किया गया था। हालांकि,मदर डेयरी के प्रवक्ता ने कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

फुल क्रीम दूध चार रुपये महंगा

नई दरों के अनुसार,दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध अब 72 रुपये के बजाय 76 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। वहीं, पैकेट वाले टोंड दूध की कीमत 60 रुपये से बढ़ाकर 62 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। डबल टोंड दूध की कीमत भी दो रुपये बढ़ाई गई है। यह अब 54 रुपये के बजाय 56 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। गाय के दूध की कीमत 62 रुपये से बढ़कर 65 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा खुले वितरण वाले टोंड दूध की कीमत 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।



किसानों से दूध खरीदना हुआ महंगा

सूत्रों ने बताया कि किसानों से दूध खरीदने की कीमत बढ़ गई है। इसके चलते कंपनी ने बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया है। मदर डेयरी दूध की बिक्री से मिलने वाली कुल राशि का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को देती है। दिल्ली-एनसीआर में कंपनी रोजाना लगभग 35 लाख लीटर दूध बेचती है। इसकी बिक्री अपने आउटलेट, सामान्य खुदरा दुकानों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए होती है। कुल मिलाकर कंपनी की दैनिक दूध बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है।

अमूल का बड़ा झटका : दूध की कीमतों में दो रुपये से चार रुपये तक का इजाफा,12 नवंबर से नई दरें लागू

खुदरा महंगाई के मोर्चे पर आम उपभोक्ता की जेब पर एक और बड़ा बोझ पड़ने जा रहा है। मदर डेयरी के बाद देश की प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने भी दूध की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। इस बढ़ोतरी से आम उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा आर्थिक असर पड़ेगा। अमूल ने दूध के दाम में दो रुपये से लेकर चार रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। यह मूल्य वृद्धि अमूल के विभिन्न दूध उत्पादों पर लागू होगी। कंपनी के इस फैसले से दैनिक घरेलू बजट प्रभावित होगा।

घरेलू बजट और खाद्य महंगाई पर पड़ सकता है असर : महज छह महीने में दूध की कीमतों में दूसरी बार बढ़ोतरी होने से घरेलू बजट प्रभावित हो सकता है। दूध रोजमर्रा की जरूरत का सामान है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से उपभोक्ताओं का मासिक खर्च बढ़ सकता है। इससे खाद्य महंगाई पर भी दबाव पड़ने की आशंका है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ के मुताबिक,सितंबर में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो गई थी,जबकि अगस्त में यह 5.97 प्रतिशत थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार,प्याज और अन्य खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतों के कारण सितंबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 प्रतिशत पहुंच गई थी। हालांकि,यह भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित सहनशीलता सीमा के भीतर रही। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई पर आधारित खुदरा महंगाई दर अगस्त में 4.83 प्रतिशत थी। पिछले वित्त वर्ष में मदर डेयरी के कारोबार में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। दूध से बने उत्पादों और खाद्य तेल की मांग बढ़ने के कारण कंपनी का कुल कारोबार 20,300 करोड़ रुपये पहुंच गया था। मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी। यह राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड यानी एनडीडीबी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी/रुद्रप्रयाग,11 नवम्बर 2026। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री, केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। धार्मिक परंपराओं और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच तीनों धामों में कपाट बंद होने की प्रक्रिया दो दिनों में संपन्न हुई। मंगलवार को अन्नकूट पर्व पर गंगोत्री धाम के कपाट बंद हुए,जबकि बुधवार को भैयादूज के अवसर पर केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट बंद कर दिए गए। इसके साथ ही तीनों धामों की ग्रीष्मकालीन यात्रा का समापन हो गया। वहीं बदरीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को बंद होंगे। कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की उत्सव डोली मुखबा, भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह डोली रामपुर और मां यमुना की उत्सव डोली खरसाली के लिए रवाना हुई। अब अगले छह माह तक इन तीनों देवस्थलों के



शीतकालीन प्रवास में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना कर सकेंगे। बुधवार को भैयादूज के अवसर पर भगवान केदारनाथ के कपाट सुबह 8:30 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने की प्रक्रिया के दौरान बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे। इस यात्रा वर्ष में केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड साढ़े 19 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए। बुधवार को सुबह 3:30 बजे मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया गया था। सुबह पांच बजे से कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। मुख्य पुजारी टी. गंगाधर लिंग ने धर्माधिकारी और वेदपाठियों की उपस्थिति में स्वयंभू शिवलिंग को समाधि स्वरूप दिया। स्थानीय पुष्पों, ब्रह्मकमल और भस्म से शिवलिंग को ढकने के बाद गर्भगृह के कपाट बंद किए गए। इसके बाद भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली सभा मंडप से मंदिर परिसर में लाई गई। सुबह 8:30 बजे मुख्य मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री केदार और ऊं नमः शिवाय के उद्घोष से गूंज उठा। कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर को फूलों से सजाया गया था। श्रद्धालुओं के लिए दानदाताओं और आईटीबीपी की ओर से भंडारे भी आयोजित किए गए।

एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को हाईजैक की धमकी..उड़ान से पहले टॉयलेट में नोट मिला,लिखा था-11.10 बजे प्लेन हाईजैक कर लेंगे

कोलकाता,11 नवम्बर 2026। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को बुधवार सुबह हाईजैक करने की धमकी मिली। विमान के टॉयलेट में मिले एक नोट में लिखा था कि सुबह 11:10 बजे प्लेन हाईजैक कर लिया जाएगा। नोट मिलते ही क्रू ने पायलट को इसकी जानकारी दी। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को अलर्ट किया। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यहां सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की जांच शुरू की। विमान में उस समय 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर सवार थे। एअर इंडिया का एयरबस A320neo कोलकाता से मुंबई जाने के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को टॉयलेट में यह धमकी भरा नोट मिला। फिलहाल एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्लेन विस्तारा की लिवेरी के साथ ऑपरेट कर रहा था।



असम में ब्रेक फेल होने से कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस के 5 कोच और इंजन पटरी से उतरे

गुवाहाटी,11 नवम्बर 2026। असम की राजधानी गुवाहाटी के बाहरी इलाके डिगारू में बुधवार सुबह करीब 6:45 बजे ब्रेक फेल होने के कारण कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। हादसे में ट्रेन के पांच कोच और इंजन बेपटरी हो गए। दुर्घटना में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। उन्हें एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया,जहां उनका उपचार किया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था की है। पूसीरे के अनुसार,लोको पायलट की सूझबूझ और त्वरित निर्णय से बड़ा रेल हादसा टल गया। बताया गया है कि दुर्घटनास्थल पर कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस को रुकने का सिग्नल मिला था,क्योंकि उसी ट्रैक पर सामने से शताब्दी एक्सप्रेस आ रही थी। इसी दौरान कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस के ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया। लोको पायलट ने तत्काल इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों को दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को लूप लाइन की ओर मोड़ने का निर्णय लिया गया। इसके बाद ट्रेन



पटरी से उतर गई। इस बीच लोको पायलट का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वह ट्रेन के ब्रेक के साथ इमरजेंसी ब्रेक के भी काम नहीं करने की बात कहता सुनाई दे रहा है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, लोको पायलट की तत्परता से संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। यदि समय रहते निर्णय नहीं लिया जाता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। हादसा ऐसे स्थान पर हुआ, जहां आसपास कोई आबादी नहीं थी। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य में तत्काल मदद की। रेलवे और पुलिस प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य तेज किया। रेलवे के अभियंता और कर्मचारी क्षतिग्रस्त ट्रैक एवं बिजली व्यवस्था की मरम्मत के साथ बेपटरी हुए कोच और इंजन को हटाने में जुटे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक,लामडिंग मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। रेलवे के अनुसार,अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर ट्रेनों का परिचालन धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है। पहले विभिन्न स्थानों पर रोकी गई ट्रेनों को भी आगे रवाना किया जा रहा है।

संपादकीय

इच्छाशक्ति के अभाव का दुष्परिणाम

इस दीवाली पर प्रधानमंत्री उस बस्तर में सीआरपीएफ जवानों के बीच थे,जो अभी हाल तक माओवादियों का गढ़ था। आज से 10-15 वर्ष पहले यह सोचना भी कठिन था कि बस्तर जैसा माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ उनके आतंक से मुक्त हो सकता है, पर ऐसा हो गया। यह किसी चमत्कार से कम नहीं। यह संभव हो पाया 2019 में केंद्रीय गृहमंत्री बने अमित शाह की प्रबल इच्छाशक्ति से। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवादी आतंक को एक समयसीमा देकर खत्म करने की ठानी और अंततः इसमें सफल रहे। विकट और पुरानी समस्याओं के समाधान में दृढ़ इच्छाशक्ति कैसे सहायक बनती है, इसका एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति भी है। इसी तरह एक अन्य उदाहरण गोरखपुर और आसपास यानी पूर्वांचल में प्रति वर्ष जुलाई से लेकर अक्टूबर तक एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (एईएस) और जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) से बड़ी संख्या में होने वाली मौतों का सिलसिला थमना भी है। यह योगी आदित्यनाथ की दृढ़ इच्छाशक्ति से संभव हो सका। उन्होंने इस समस्या से मुक्ति पाने का अभियान अपने हाथ में तभी ले लिया था,जब वे गोरखपुर के सांसद मात्र थे। उन्होंने इस समस्या को बार-बार संसद में उठाने के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इसके लिए बाध्य किया कि वह पूर्वांचल को इस त्रासदी से बचाने के लिए कुछ विशेष उपाय करे। उनके प्रयासों से गोरखपुर के मेडिकल कालेज को ऐसी सुविधाओं से लैस किया गया,जिनसे एईएस और जेई की पहचान और उपचार में आसानी हो। बच्चों के लिए प्रायः जानलेवा सिद्ध होने वाली इन रोगों से पार पाना आसान न था,क्योंकि उनका प्रकोप पूर्वांचल के सात जिलों में फैला था। इन संचारी रोगों की चपेट में आने वाले अधिकतर मरीजों के लिए गोरखपुर मेडिकल कालेज ही एक बड़ा सहारा था। एक वक्त हर साल सैकड़ों बच्चे इन रोगों के शिकार होकर दम तोड़ देते थे। चूंकि योगी आदित्यनाथ पूर्वांचल को इस विकट संकट से मुक्ति दिलाने में प्राणपण से जुटे, इसलिए उनके प्रयासों से एईएस और जेई का प्रकोप तभी कम होना शुरू हो गया, जब दिल्ली-लखनऊ, कहीं भी भाजपा सत्ता में नहीं थी 2014 में केंद्र में भाजपा सरकार आने और 2017 में योगी के स्वयं उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद एईएस और जेई से लड़ने की रणनीति अधिक प्रभावी हुई।

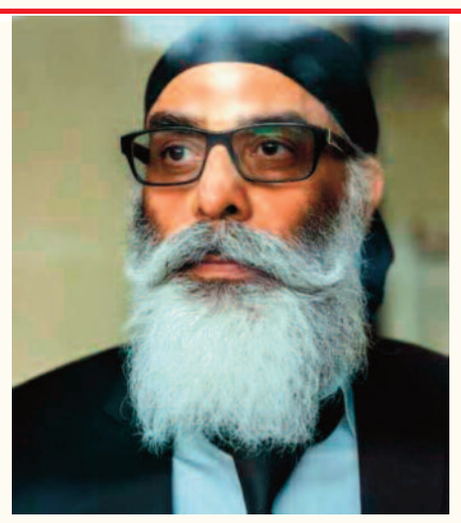
पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल



ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल,रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खे ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है,बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता,राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।''अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बे ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं। पन्नू लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चा में रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे व्यक्ति द्वारा भारत के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिकी अदालत में दीवानी मुकदमा दायर करना स्वाभाविक रूप से भारत के लिए संवेदनशील विषय है। भारत की चिंता केवल आरोपों तक सीमित नहीं है;चिंता यह भी है कि विदेश में बैठा कोई भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा ''अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अमेरिकी सरकार की विदेश नीति एक ही बात नहीं हैं।'' यदि किसी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा दायर करने का अधिकार है, तो अदालत उस पर विचार कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जा सकता कि अमेरिकी सरकार उन आरोपों से सहमत है। इसी प्रकार अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ''कानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मर्यादा दोनों साथ-साथ चलती हैं।'' किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है,तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती,बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी।

हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। ''दृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है।'' भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता,संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार,संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन ''लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता।''

भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी,व्यापार,हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ''भारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके।'' भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है,लेकिन अपनी संप्रभुता,सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा।

अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है,तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है,जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट,दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए।

''अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नही,सहयोग चाहता है,लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं;और कूटनीतिक सम्मान देता है,तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा। समय आ गया है कि वाशिंगटन कानून की प्रक्रिया और राजनीति के बीच की महीन रेखा को समझे तथा भारत की संवेदनशीलता और संप्रभु अधिकारों का पूरा सम्मान करे।

महाराष्ट्र में सूखे की मार झेलता किसान



सौरभ वार्ष्णेय
उत्तमनगर,नई दिल्ली

जल संकट,अनिश्चित मानसून,घटता भूजल,खेती की बढ़ती लागत और सरकारी नीतियों की चुनौतियों के बीच महाराष्ट्र का किसान आखिर कब तक सूखे से लड़ता रहेगा? महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल है,जिनकी पहचान औद्योगिक विकास, व्यापार,वित्तीय गतिविधियों और कृषि उत्पादन के लिए रही है। मुंबई देश की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है,पुणे आईटी और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बन चुका है तथा राज्य के अनेक जिलों में कृषि और सहकारी संस्थाओं का व्यापक नेटवर्क है। इसके बावजूद महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर इससे बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां किसान कभी कम बारिश तो कभी बेमौसम बारिश,कभी जलाशयों में पानी की कमी तो कभी फसल की लागत और बाजार भाव की मार झेलने को मजबूर है। सवाल यह है कि आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महाराष्ट्र का किसान आज भी पानी के लिए आसमान की ओर क्यों देख रहा है? महाराष्ट्र में सूखे की समस्या केवल एक साल की मौसमी परेशानी नहीं है,बल्कि यह वर्षों से चली आ रही संरचनात्मक समस्या है। राज्य के मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्से बार-बार पानी की कमी का सामना करते हैं। हर साल मानसून से उम्मीदें जुड़ती हैं,लेकिन बारिश का असमान वितरण किसानों की मुश्किलें बढ़ा देता है। कहीं सामान्य से कम बारिश होती है तो कहीं कुछ ही दिनों में इतनी अधिक वर्षा हो जाती है कि खेतों की मिट्टी और खड़ी फसल दोनों को नुकसान पहुंचता है। यानी किसान के सामने संकट केवल बारिश की कमी का नहीं,बल्कि बारिश के अनिश्चित और असंतुलित स्वरूप का भी है। महाराष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी इस संकट को गंभीर बनाती हैं। सरकारी जल संसाधन प्राधिकरण के अनुसार राज्य का लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र सूखा प्रभावित है। राज्य में वर्षा का वितरण 400 से 6,000 मिलीमीटर तक अलग-अलग है और अधिकांश बारिश जून से सितंबर के चार महीनों में होती है। मराठवाड़ा का बड़ा हिस्सा वर्षा छाया क्षेत्र में आता है,जहां औसत वार्षिक वर्षा लगभग 600 मिलीमीटर है। यहां बारिश की अनिश्चितता भी अधिक है।

इसके साथ भूजल की समस्या भी कम गंभीर नहीं है। महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास तंत्र के अनुसार राज्य के लगभग 91 प्रतिशत भूभाग में कठोर चट्टानी संरचना है। ऐसी चट्टानों में भूजल का संचय और प्रवाह आसान नहीं होता। परिणामस्वरूप बारिश कम होने पर कुएं और बोरवेल तेजी से सूखने लगते हैं। किसान सिंचाई के लिए निजी बोरवेल पर निर्भर होता है और पानी की तलाश में अधिक गहराई तक खुदाई करवाता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जाती है। लेकिन केवल प्राकृतिक परिस्थितियों को दोष देकर सरकारी व्यवस्था और कृषि नियोजन की जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। महाराष्ट्र में दशकों से सूखे की समस्या मौजूद है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में किसान मानसून आधारित खेती करने को विवश हैं। यदि हर साल सूखे की आशंका रहती है तो फिर जल संरक्षण, सिंचाई के वैकल्पिक साधन और फसल विविधीकरण को कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण

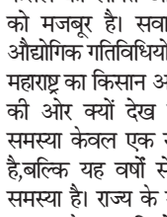


हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया?महाराष्ट्र में गन्ना उत्पादन और चीनी उद्योग का बड़ा आर्थिक महत्व है। पश्चिमी महाराष्ट्र में गन्ने की खेती ने सहकारी चीनी मिलों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। लेकिन गन्ना अधिक पानी मांगने वाली फसल है। ऐसे क्षेत्रों में जहां पानी की उपलब्धता सीमित है, वहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि गन्ने की खेती बंद कर दी जाए, बल्कि यह समझना जरूरी है कि किस क्षेत्र में कौन-सी फसल प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुकूल है।

मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में ज्वार, बाजरा,दालें, तिलहन और कम पानी में तैयार होने वाली दूसरी फसलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। किसानों को केवल फसल बदलने की सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें बीज, तकनीकी मार्गदर्शन,बाजार की गारंटी,उचित न्यूनतम समर्थन मूल्य और सरकारी खरीद की व्यवस्था भी उपलब्ध करानी होगी। जब तक किसान को वैकल्पिक फसल से उसकी लागत और मेहनत का उचित मूल्य मिलने का भरोसा नहीं होगा,तब तक फसल विविधीकरण का लक्ष्य केवल सरकारी कागजों तक सीमित रह सकता है। दूसरी ओर,खेतों में पानी रोकने की व्यवस्था पर भी गंभीरता से काम करना होगा। खेत तालाब,चेक डैम,छोटे बांध,नालों का पुनर्जीवन,वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों को गांव स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। जलयुक्त शिवार जैसी योजनाओं के अनुभवों का निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि जिन गांवों में जल संरक्षण के काम हुए, वहां वास्तव में भूजल स्तर और सिंचाई की स्थिति में कितना सुधार आया।

यहां एक महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आता है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति में है। राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 7.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है,जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत आंकी गई है। यानी औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की तुलना में कृषि क्षेत्र की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी है। इसका सीधा अर्थ यह है कि राज्य की आर्थिक प्रगति का लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और छोटे किसानों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। मुंबई में शेयर बाजार की तेजी, पुणे में औद्योगिक विस्तार, नए एक्सप्रेसवे, मेट्रो और बड़े निवेश राज्य की आर्थिक उपलब्धियां हो सकती हैं, लेकिन इनसे उस किसान की समस्या अपने आप हल नहीं होती, जिसकी सोयाबीन की फसल बारिश न होने से सूख गई हो या जिसकी कपास की फसल लागत भी नहीं निकाल पा रही हो। 2026 के मानसून ने इस अंतर को और उजागर किया। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक महाराष्ट्र में सामान्य 970.9 मिलीमीटर के मुकाबले 798.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो लगभग 18 प्रतिशत कम थी। मराठवाड़ा में बारिश की कमी 38 प्रतिशत और विदर्भ में लगभग 27 प्रतिशत तक पहुंच गई।

श्रम,संकल्प,सहजता और विनम्रता मनुष्य जीवन के सच्चे सन्मार्ग



संजीव कुमार ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

मनुष्य की सदैव चाहत होती है कि उसे लक्ष्य और सफलता जल्द से जल्द प्राप्त हो पर वस्तुतः ऐसा होता नहीं है,स्थाई सफलता के लिए कठोर श्रम,संकल्प,सहजता और विनम्रता सच्चे सन्मार्ग हैं। जल्दी का काम शैतान का होता है ऐसा कहावतें कहती है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन में निरंतर श्रम सहजता सरलता और संघर्ष के साथ संयम का बड़ा योगदान होता है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी,स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सदुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु,सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सदुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सदुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी



व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सदुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सदुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा,लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है,वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

ओडीएफ-प्लस

SWACHH BHARAT MISSION
ODF



डॉ. सुरेश कुमार मिश्र 'उतृप्त'

भोर के ठीक चार बजकर बारह मिनट पर राज्य स्वच्छता एवं ग्रामीण विकास मिशन के सेंट्रलाइज्ड 'डिजिटल स्वच्छ भारत डैशबोर्ड' पर ग्राम पंचायत सुंदरपुर का नाम सुनहरे अक्षरों में जगमगा रहा था। सॉफ्टवेयर स्क्रीन पर रिपोर्ट लॉक थी–'सुंदरपुर : 100 प्रतिशत ओडीएफ-प्लस मॉडल गांव। हर घर में जियोटैग्ड पक्का शौचालय। खुले में शौच की दर : शून्य।' राजधानी के वातानुकूलित कंट्रोल रूम में बैठे अफसरों के लिए यह गांव स्वच्छता का स्वर्ग था। लेकिन रहस्य यह नहीं था कि पोर्टल पर हरा टिक लगा था या नहीं; कौतूहल और दहशत यह थी कि उस कड़ाके की सर्द सुबह में, उस गांव की औरतें और बच्चियां हाथ में प्लास्टिक की बोतलें लिए रेलवे लाइन के पार कंटीली झाड़ियों की तरफ क्यों भागी जा रही थीं? हकीकत यह थी कि गांव के अस्सी घरों में शौचालय के नाम पर ठेकेदार ने केवल दो ईंटों की एक दीवार खड़ी करके, ऊपर टिन का एक चौकोर टुकड़ा रखकर फोटो खींची थी। जीपीएस कैमरे से फोटो पोर्टल पर अपलोड हुई, सब्सिडी के बारह-बारह हजार रुपये ग्राम विकास अधिकारी और दलालों के खातों में बंट गए,और कागजों में पूरा गांव 'आदर्श' बन गया। न कहीं पानी का पाइप था,न गड्ढा। उस घने कुहासे में दस साल की गुड्डी अपनी मां यशोदा का पल्लू पकड़े, नंगे पैर गीली घास पर चल रही थी। उसे बहुत डर लगता था अंधेरे से। लेकिन घर के आंगन में कोई कोना नहीं था। झाड़ियों के मुहाने पर जैसे ही गुड्डी का नन्हा पैर एक सूखे पत्तों के ढेर पर पड़ा, घास के भीतर से एक काले करैत ने बिजली की तेजी से उसके टखने में अपने जहरीले दांत गड़ा दिए। गुड्डी के मुंह से एक चीख निकली, अम्मा! और वह वहीं कीचड़ में गिर पड़ी।

यार, तुमने कभी किसी मां को अंधेरे में अपनी बच्ची के पैर से जहर चूसते देखा है? इस मुल्क में सरकारी विज्ञापनों की दीवारें इतनी चमकदार होती हैं कि उनके पीछे रेंगती हुई मौत का काला सच किसी को दिखाई नहीं देता। गुड्डी का मजदूर पिता भोलाराम जब अपनी बेटी को कंधे पर लादकर बदहवास हालत में गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की तरफ भागा,तो रास्ते में पंचायत भवन के चबूतरे पर गांव के प्रधान जी अपने चमचे के साथ खड़े मिल गए। पंचायत भवन की दीवार पर संगमरमर का एक बड़ा पत्थर चमक रहा था,जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा था–'राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित आदर्श गांव सुंदरपुर'। प्रधान जी ने भोलाराम का रास्ता रोक लिया। कहाँ भागे जा रहे हो भोलाराम? प्रधान जी,गुड्डी को झाड़ी में सांप ने डस लिया है...अस्पताल ले जा रहा हूँ,इसे बचा लो! प्रधान जी का चेहरा गुस्से से तमतमा उठा। उन्होंने भोलाराम की बांह कसकर पकड़ ली। अरे मूर्ख! अस्पताल में डॉक्टर को क्या बताओगे? अगर पर्चे पर यह लिखा गया कि बच्ची खुले में शौच के लिए गई थी,तो हमारे गांव का ओडीएफ-प्लस का तमगा छिन जाएगा! अगले हफ्ते जिले के कलेक्टर साहब गांव का दौरा करने आ रहे हैं और हमारे विकास कार्यों का पचास लाख का नया फंड रुक जाएगा। तुम सीधे-सीधे कहो कि बच्ची आंगन में खेलते हुए काटी गई है! भोलाराम रो पड़ा, प्रधान जी,मेरी गुड्डी की आंखें पलट रही हैं... मुंह से झाग निकल रहा है... मुझे फंड से क्या मतलब? मुझे मेरी बेटी दे दो!अरे चुप रह! गांव की प्रतिष्ठा का सवाल है। व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी यही है; वह कफन पर भी सरकारी तमगे का रंग पोत देना चाहती है। भोलाराम प्रधान को झटका देकर अस्पताल की तरफ दौड़ा। अस्पताल का लोहे का गेट बंद था। फार्मासिस्ट कमरे में सो रहा था और एंटी-वेनम की दवा जिस बायो-लॉकर में बंद थी, उसका डिजिटल पासवर्ड डॉक्टर साहब के पास था,जो शहर में अपने निजी क्लीनिक पर थे। सुबह के पांच बज गए। गुड्डी के नन्हे शरीर का सारा खून ठंडा पड़ चुका था। उसका सिर भोलाराम के कंधे से नीचे लटक गया। भोलाराम उस बंद अस्पताल की सीढ़ियों पर बैठ गया। उसने अपनी मृत बेटी के पैर को अपनी फटी धोती से पोंछा,जहाँ सांप के दो छोटे लाल निशान बने हुए थे। तभी पंचायत भवन के लाउडस्पीकर पर सुबह का सरकारी जागरूकता संदेश गूंज उठा–'स्वच्छता ही सेवा है! खुले में शौच त्यागें,देश का मान बढ़ाएं।' और उस संगमरमर के चमकते हुए पत्थर के ठीक नीचे,उस बेबस बाप के आंसुओं से भीगी हुई गुड्डी की वह प्लास्टिक की खाली बोतल उस समूचे पाखंडी तंत्र के मुंह पर एक खामोश कालिख की तरह लुढ़कती रही।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

खर्रा नदी में बनेंगे 1200 छठ घाट...हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की तैयारी

तीन पार्किंग स्थल तैयार,15 नवंबर को भव्य गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजेगी छठ की शाम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
आस्था के महापर्व छठ पर इस बार खर्रा नदी के तट पर भव्य आयोजन की तैयारी है। घुनघुट्टा श्याम सेवा समिति सोहगा-करजी की ओर से नदी के दोनों तटों पर करीब 1200 छठ घाट तैयार कराए जा रहे हैं। पिछले वर्ष उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार व्यवस्थाओं का विस्तार किया गया है। हजारों वाहनों की पार्किंग के लिए तीन अलग-अलग स्थल भी तैयार किए गए हैं। 15 नवंबर की शाम से अगले दिन सुबह तक खर्रा नदी का तट छठ के गीतों, भक्ति संगीत और गंगा आरती से गुंजायमान रहेगा।

समिति के संरक्षक राकेश गुप्ता ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी छठ पूजा का आयोजन व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दोनों ओर घाटों के निर्माण की तैयारी पूरी कर ली गई है। 15



नवंबर को दोपहर 3 बजे से भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होंगे। शाम और सुबह भव्य गंगा आरती का आयोजन भी किया जाएगा। छठ पूजा के लिए घाटों के टोकन 12 नवंबर से वितरित किए जाएंगे। श्रद्धालु खर्रा नदी स्थित समिति के सदस्यों से या अंबिकापुर में न्यू महामाया रोड पर ग्रामीण बैंक के बगल में स्थित महामाया मिल स्टोर से टोकन प्राप्त कर सकेंगे। समिति ने छठ व्रती माताओं-बहनों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

शंकरघाट पर 29 वर्षों से हो रही तैयारी : इधर, शहर के प्रमुख छठ घाट शंकरघाट, घुनघुट्टा और सतीपारा तालाब सहित अन्य



जलाशयों में भी साफ-सफाई और सजावट का काम तेजी से चल रहा है। शंकरघाट में मां महामाया सेवा समिति पिछले 29 वर्षों से छठ पूजा की व्यवस्था कर रही है। समिति अध्यक्ष विजय सोनी ने बताया कि हर साल व्रतियों की संख्या बढ़ रही है। अब बिहार, झारखंड और उत्तरप्रदेश के मूल निवासियों के साथ स्थानीय लोग भी बड़ी श्रद्धा से छठ व्रत कर रहे हैं। शंकरघाट में गोबर से लिपाई, जलाशय की सफाई और टेंट-पंडाल की व्यवस्था की गई है। व्रतियों के लिए अलाव, चाय और अर्घ्य के लिए दूध भी उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर-एसएसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा : बुधवार को कलेक्टर अजीत वसंत और एसएसपी राजेश अग्रवाल ने शंकरघाट एवं घुनघुट्टा घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने पूजा समितियों से तैयारियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने सुरक्षा के लिए नगर सैनिकों की तैनाती,मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग,पर्याप्त पुलिस बल,पार्किंग और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य टीम की तैनाती करने को कहा। एसएसपी ने पुलिस और राजस्व विभाग की टीम को समन्वय बनाकर सुरक्षा एवं निगरानी के इंतजाम करने के निर्देश दिए

13 नवंबर से शुरू होगा छठ महापर्व

चार दिवसीय छठ महापर्व 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। 14 नवंबर को खरना होगा। 15 नवंबर की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा,जबकि 16 नवंबर की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पर्व का समापन होगा।

8 करोड़ 16 लाख रुपये से अधिक की लागत से हो रहा निर्माण,नाली एवं पुल-पुलियों का कार्य पूर्ण



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकासखंड अंबिकापुर के छिंदकालो चैक से कोटया होते हुए शिवपुर तक 4.687 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। लोक निर्माण विभाग,संभाग अम्बिकापुर द्वारा इस मार्ग के निर्माण के लिए 816.32 लाख रुपये की तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई है। निर्माण कार्य के प्रारंभिक चरण में सड़क के किनारे नाली निर्माण तथा पुल-पुलियों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में मार्ग पर मिट्टी भराई एवं अन्य संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। आगामी चरणों में स्वीकृत प्राक्कलन एवं निर्धारित तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप सड़क निर्माण के शेष कार्य पूर्ण किए जाएंगे। इस मार्ग के निर्माण से छिंदकालो,कोटया,शिवपुर एवं आसपास के ग्रामों के निवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत होने के साथ ही मार्ग पर यात्रा अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगी। इससे क्षेत्र की सड़क कनेक्टिविटी मजबूत होगी और स्थानीय लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति पर नियमित निगरानी रखी जा रही है,ताकि निर्धारित तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप कार्य संपादित किया जा सके।

पिता की डांट से नाराज 10वीं की छात्रा ने किया जहरीले पदार्थ का सेवन,इलाज के दौरान मौत

मोबाइल ज्यादा देखने पर पिता ने लगाई थी फटकार,मिशन अस्पताल में चल रहा था इलाज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
मोबाइल ज्यादा देखने और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देने की बात पर पिता की फटकार से नाराज 10वीं की छात्रा ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में उसे मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान बुधवार तड़के उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार,बकनाखुर्द निवासी प्रतिभा राजवाड़े (15) शासकीय हाईस्कूल परसा में कक्षा 10वीं की छात्रा थी। 8 नवंबर को पिता प्रयाग राम ने उसे मोबाइल कम देखने और पढ़ाई पर ध्यान देने की समझाइश दी थी। बताया जा रहा है कि इसी बात से नाराज होकर उसने 10 नवंबर की सुबह जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। सुबह करीब 6.30 बजे भाई गौरव ने पिता को फोन कर बताया कि प्रतिभा ने कुछ खा लिया है। इसके बाद परिजन उसे तत्काल मिशन अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे और भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान 11 नवंबर की सुबह करीब 3 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बच्चों के विवाद की रंजिश ने लिया खूनी रूप,गोवर्धन पूजा की रात ममेरे भाई ने पत्थर से कुचलकर की महिला की हत्या

दो-तीन महीने पुरानी कहासुनी का बदला लेने जंगल ले जाकर दिया वारदात को अंजाम,चान्दो पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
चान्दो/बलरामपुर-रामानुजगंज,11 नवम्बर 2026(घटती-घटना)।
बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद की रंजिश किस हद तक खूनी रूप ले सकती है,इसका सनसनीखेज मामला बलरामपुर जिले के चान्दो थाना क्षेत्र में सामने आया है। यहां दो-तीन महीने पहले बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर मन में खुन्नस पाले एक व्यक्ति ने अपनी ही ममेरी बहन पलंगी नगेशिया (46 वर्ष) की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। आरोपी ने गोवर्धन पूजा के दिन रात में महिला को बहाने से जंगल ले जाकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने



मामले का खुलासा करते हुए आरोपी मदन नगेशिया (47 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

जंगल में गड्ढे के भीतर मिला था महिला का शव : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,मुड़कमपाट (चंचल चुवों) निवासी किशुन नगेशिया ने चान्दो थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गांव के अशोक नगेशिया ने फोन कर भीतरकोना जंगल में किसी अनहोनी की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर किशुन ने अपनी सास पलंगी नगेशिया का शव पेड़ों के झुरमुट के नीचे एक गड्ढे में पड़ा देखा। मृतिका के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे तथा घटनास्थल पर खून फैला हुआ था।

बच्चों के विवाद से पनपी थी हत्या की वजह : रिपोर्ट के आधार पर चान्दो पुलिस ने मर्ग कायम कर अपराध क्रमांक 42/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक अधिकारियों की मदद से साक्ष्य जुटाए गए।

गवाहों से पूछताछ और विवेचना के दौरान पुलिस को मृतिका के ममेरे भाई मदन नगेशिया पर संदेह हुआ।

पूछताछ में सामने आया कि करीब दो-तीन महीने पहले आरोपी के छोटे बेटे और मृतिका की नतिनी के बीच विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर पलंगी और मदन के बीच गाली-गलौज तथा झगड़ा हुआ था। तभी से आरोपी महिला के प्रति रंजिश रखे हुए था।

हंडिया पीने के बाद बहाने से जंगल ले गया,पत्थर से किया हमला

पुलिस की जांच के मुताबिक,गोवर्धन पूजा के दिन आरोपी मदन नगेशिया ने हंडिया (स्थानीय पेय पदार्थ) पीने के बाद रात में पलंगी को बहला-फुसलाकर भीतरकोना जंगल की ओर ले गया। वहां सुनसान स्थान पर उसने पत्थर से महिला के सिर पर लगातार वार किए,जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने विवेचना में जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

हथिनी की मौत के बाद दूसरे हाथी की तलाश तेज,14 संदेहियों से पूछताछ

डॉग स्क्वायड ने जंगल में खंगाले सुराग, 9 को पूछताछ के बाद छोड़ा, 5 अब भी वन विभाग की हिरासत में...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
उदयपुर वन परिक्षेत्र में एक हथिनी की करंट से मौत के मामले में वन विभाग की जांच तेज हो गई है। कुसवामुंडा जंगल में हथिनी का शव मिलने के बाद अब दूसरे लापता हाथी की तलाश की जा रही है। वहीं,शिकार के लिए जंगल में जीआई तार बिछाकर करंट फैलाने की आशंका पर वन विभाग ने अब तक 14 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। इनमें से 9 को छोड़ दिया गया है, जबकि 5 से पूछताछ जारी है। लक्ष्मणगढ़ के कुसवामुंडा जंगल में मंगलवार को मादा हथिनी का शव मिला था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,करीब एक सप्ताह पहले ही उसकी करंट लगने से मौत हो गई थी। डीएफओ लोकनाथ पटेल, एसडीओ सपना मुखर्जी और रेंजर फेंकू चौबे की मौजूदगी में हथिनी का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव को दफना दिया गया। घटनास्थल के पास जीआई



तार भी मिले हैं। आशंका है कि जंगली जानवरों के शिकार के लिए तार बिछाकर करंट प्रवाहित किया गया था। हथिनी का शव मिलने के बाद वन विभाग की टीम दूसरे लापता हाथी की तलाश में जुटी है। डॉग स्क्वायड की मदद से घटनास्थल से लेकर आसपास के जंगलों में खोजबीन की गई। इस दौरान अन्य वन्यजीवों के अवशेष भी मिले हैं। अधिकारियों ने सुखरी भंडार के ग्रामीणों से पूछताछ की। इसके बाद पहले सात संदेहियों को वन कार्यालय लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में अन्य लोगों के नाम सामने आने पर कुल 14 लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें से 9 को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है, जबकि 5 से अभी पूछताछ जारी है। जानकारी के अनुसार,करमकटरा जंगल में करीब चार महीने से 27 हाथियों का दल विचरण कर रहा था। बाद में यह दल दो समूहों में बंट गया। करीब एक सप्ताह पहले 14 हाथियों का एक समूह इस क्षेत्र में देखा गया था। इनमें से 12 हाथी चकेरी जंगल की ओर चले गए, जबकि दो हाथियों का पता नहीं चल रहा था। अब एक हथिनी का शव मिलने के बाद दूसरे हाथी की तलाश तेज कर दी गई है। उदयपुर क्षेत्र में करीब 40 दिनों के भीतर करंट लगने से हाथी की मौत की यह दूसरी घटना है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि दोनों हाथियों की मौत करंट से हुई है। हालांकि,वन विभाग को फिलहाल एक ही हथिनी का शव मिला है। दूसरे हाथी की स्थिति और मौत को लेकर अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। वन विभाग जीआई तार बिछाकर करंट फैलाने वालों की पहचान करने में जुटा है।

हवन-पूजन में समाज के लोग हुए शामिल...कायस्थ समाज ने मंदिर में की भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
शहर में हर्षोउल्लास के साथ बुधवार को चित्रगुप्त पूजा व भाई दूज का त्योहार मनाया गया। कायस्थ समाज द्वारा शहर के गुदरी बाजार स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में कलम-दवात की पूजा की गई। इस दौरान कई धार्मिक अनुष्ठान और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कायस्थ समाज द्वारा भगवान चित्रगुप्त की पूजा श्रद्धाभाव के साथ की गई। वहीं भाई दूज के अवसर पर बहने पूजा अर्चना कर भाई की दीर्घायु की कामना की। शहर के गुदरी बाजार स्थित चित्रगुप्त मंदिर में



बुधवार की सुबह सुंदरकांड का पाठ किया गया। इसके बाद समाज के लोगों द्वारा भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की गई। परंपरा के अनुसार समाज द्वारा कलम-दवात की पूजा की गई। पूजन के बाद सामूहिक हवन का आयोजन किया गया। हवन पूजन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान काफी संख्या में कायस्थ समाज के लोग उपस्थित थे। भाई बहन के स्नेह का त्योहार भाईदूज धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के लंबी उम्र की कामना की। भाई दूज की पूजा के बाद बहनों ने भाइयों को मिठाई खिला कर उपहार लिया। बुधवार को सुबह ही बहनें निर्जला व्रत रखकर पूजा अर्चना की। पूजा के बाद बहने भाई को प्रसाद खिलाया। इस दौरान भाई ने बहनों के लिए उपहार भेंट किया।

किसानों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी,खलीबा में नवीन धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति से सैकड़ों अन्नदाताओं को मिलेगी राहत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
किसानों की मेहनत से उपजी फसल को बेचने के लिए अब उन्हें लंबी दूरी तय करने और परिवहन की परेशानियों से जूझने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधाओं के विस्तार के लिए



किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सरगुजा जिले के ग्राम खलीबा में देखने को मिला है। यहां किसानों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए नवीन धान उपार्जन केंद्र की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से खलीबा सहित आसपास के 11 गांवों के किसानों में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के लगभग 416 पंजीकृत किसानों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति उन छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए विशेष राहत लेकर आई है, जिन्हें अब तक अपनी उपज बेचने के लिए दूरस्थ खरीदी केंद्रों पर निर्भर रहना पड़ता था। वाहन की व्यवस्था, परिवहन पर अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं किसानों के लिए बड़ी चुनौती थीं। अब अपने क्षेत्र में ही खरीदी केंद्र की सुविधा मिलने से धान विक्रय की प्रक्रिया अधिक आसान और सुविधाजनक होगी। ग्राम खलीबा निवासी प्रगतिशील कृषक एवं उपसरपंच श्री नितेश कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में धान खरीदी केंद्र दूर होने के कारण किसानों को लंबे समय से अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर छोटे किसानों के पास धान परिवहन के लिए स्वयं के साधन नहीं होने से उन्हें वाहन की व्यवस्था करने में कठिनाई होती थी। कई किसानों को पंजीयन संबंधी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता था।

करमा महोत्सव में जनजातीय लोक संस्कृति की दिखी अनूठी छटा

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कलाकारों का किया उत्साहवर्धन





-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के साक्षरता मिनी स्टेडियम में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को ब्लॉक स्तरीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव 'करमा महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल रहे। मांदर की गूंजती थाप और पारंपरिक करमा गीतों के बीच रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। इस दौरान मंत्री अग्रवाल भी कलाकारों के साथ करमा नृत्य में शामिल हुए और जनजातीय संस्कृति के उत्साह को साझा किया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनजातीय समाज की लोककला, संस्कृति और परंपराएं छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि इन समृद्ध परंपराओं को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। ऐसे आयोजन जनजातीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं और हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाते हैं। मुख्य अतिथि मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विजेता दलों को पुरस्कृत कर शुभकामनाएं दीं। महोत्सव में विकासखंड के तुरना, कोरजा,लोसगा और केवरा सेक्टरों से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी लोककला का प्रदर्शन किया। करमा नृत्य प्रतियोगिता में जय शिव शारदा करमा पार्टी परसोदी कला ने प्रथम तथा आदिवासी करमा दल पीपरखार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव के अंतर्गत आयोजित लोकनृत्य प्रतियोगिता में शैला पार्टी तराजू ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लखनपुर विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष शशिकला विक्रम सिंह,नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू,एसडीएम रामराज सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लखनपुर खुशबू शास्त्री, एसडीओ आरईएस,कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा,आकांक्षी विकासखंड फेलो सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

शराब पीने के बाद घर नहीं लौटे थे दोनों अंधेरे में पानी से भरे गड्ढे में गिरने की आशंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।
सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम काराबेल में दो ग्रामीणों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार रात साथ घूमने निकले दोनों ग्रामीण मंगलवार सुबह मुड़ापारा में पानी से भरे गहरे गड्ढे में मृत मिले।

दोनों के शव एक ही गड्ढे में तैरते देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक आशंका है कि शराब पीने के बाद रात के अंधेरे में दोनों अनजाने में गड्ढे में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान काराबेल निवासी अशोक बखला (45) और कमल तिर्की (55) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों सोमवार शाम घर से निकले थे। गांव में घूमते हुए उन्होंने शराब पी थी। ग्रामीणों ने उन्हें देर रात



मुड़ापारा में देखा था। इसके बाद दोनों घर नहीं लौटे। मंगलवार सुबह मुड़ापारा स्थित कुएंनुमा गड्ढे में भरे पानी में दोनों के शव दिखाई दिए। ग्रामीणों की सूचना पर सीतापुर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को बाहर निकलवाया।

गड्ढे में अब भी 8 फीट पानी : बताया जा रहा है कि बारिश के कारण गड्ढे में काफी पानी भर गया था। वर्तमान में भी इसमें करीब 8 फीट पानी है। आशंका जताई जा रही है कि रात के अंधेरे



में दोनों का संतुलन बिगड़ा और वे गड्ढे में जा गिरे। हालांकि, दोनों किन परिस्थितियों में गिरे, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

मर्ग कायम,पीएम रिपोर्ट का इंतजार : पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों और घटनाक्रम की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तथा जांच के बाद ही हो सकेगी।

CMYK

साइबर ठगों का 'म्यूल अकाउंट' नेटवर्क बेनकाब, सूरजपुर पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा...

45 हजार और 53 हजार रुपये के साइबर फ्रॉड ट्रांजेक्शन की पुष्टि,1500 रुपये के लालच में बैंक खाता खुलवाकर पासबुक,एटीएम और चेकबुक सौंपने का खुलासा

टेलीग्राम लिंक के जरिए खाते में रकम मंगाकर दूसरे खातों में भेजने का आरोप, साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क की कड़ियां खंगालने में जुटी पुलिस



-संवाददाता-
सूरजपुर,11 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

ऑनलाइन साइबर ठगी के मामलों में ठगों द्वारा दूसरों के बैंक खातों का इस्तेमाल कर रकम का लेनदेन करने का एक और मामला सामने आया है, सूरजपुर पुलिस ने म्यूल अकाउंट के जरिए साइबर फ्रॉड में कथित रूप से संलिप्त दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है,जांच में बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एक खाते में 45 हजार रुपये और आईडीबीआई बैंक के दूसरे खाते में 53 हजार रुपये के साइबर फ्रॉड से संबंधित लेनदेन प्रमाणित पाए गए, पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने अपने बैंक खाते साइबर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्यों को उपलब्ध कराए थे,जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम के लेनदेन में किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के समन्वय पोर्टल पर विभिन्न बैंक शाखाओं में संचालित खातों के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई थीं, पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ से प्राप्त शिकायतों में विकास कुमार रवि के बैंक ऑफ महाराष्ट्र खाते और सुनील साहू के आईडीबीआई बैंक खाते का उल्लेख था,जांच में इन खातों से साइबर फ्रॉड की रकम का लेनदेन सामने आने पर थाना सूरजपुर में अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

1500 रुपये लेकर खुलवाया खाता, फिर सौंप दिए बैंक के दस्तावेज-पहले मामले में थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 466/2025 के तहत बीएनएस की धारा 317(4),318(2) और 61(2)(ए) में प्रकरण दर्ज किया गया था, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाताधारक विकास कुमार रवि के ट्रांजेक्शन स्टेटमेंट की जांच में ऑनलाइन साइबर फ्रॉड से संबंधित 45 हजार रुपये का लेनदेन प्रमाणित पाया गया, पुलिस ने दबिश देकर विकास कुमार रवि पिता स्व. बनारसी लाल रवि,उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम तिवरागुड़ी जूनापारा,थाना रामानुजनगर को पकड़ा,पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि बैकुंठपुर निवासी एक व्यक्ति ने उसे बैंक में खाता खुलवाने के बदले 1500 रुपये दिए थे,खाता खुलने के बाद उसने पासबुक, एटीएम कार्ड,चेकबुक और खाते से लिंक मोबाइल नंबर भी संबंधित व्यक्ति को सौंप दिया,पुलिस के मुताबिक,आरोपी ने अपना बैंक खाता साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह के सदस्यों को उपलब्ध कराया था,जिसका इस्तेमाल अवैध रूप से धनराशि के लेनदेन में किया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

टेलीग्राम लिंक से क्त्रकोड के जरिए खाते में मंगाई रकम-दूसरे मामले में आईडीबीआई बैंक के खाताधारक सुनील साहू के खाते की जांच में 53 हजार रुपये का साइबर फ्रॉड से संबंधित लेनदेन प्रमाणित पाया गया, इस संबंध में थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 467/2026 के तहत बीएनएस की धारा 317(4), 318(2) और 61(2)(ए) में मामला दर्ज किया गया,पुलिस ने दबिश देकर सुनील साहू पिता द्वारिका प्रसाद साहू, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम त्रिपुरेश्वरपुर,थाना रामानुजनगर को गिरफ्तार किया,पूछताछ में आरोपी ने बताया कि टेलीग्राम पर प्राप्त लिंक के माध्यम से क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर अपने बैंक खाते में पैसे प्राप्त करता था और खाते में आई रकम को दूसरे खातों में भेजता था,पुलिस के अनुसार,आरोपी ने साइबर फ्रॉड गिरोह के सदस्यों से पैसे लेकर अपने खाते का इस्तेमाल ठगी की रकम के लेनदेन के लिए करने दिया था। इस आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया।

म्यूल अकाउंट के जरिए ठगी की रकम को आगे बढ़ाने का तरीका

साइबर अपराध की दुनिया में म्यूल अकाउंट उन बैंक खातों को कहा जाता है, जिनका इस्तेमाल ठगी से प्राप्त रकम को एक खाते से दूसरे खाते में भेजने के लिए किया जाता है,कई बार खाताधारकों को कमीशन,नौकरी या मामूली आर्थिक लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाए जाते हैं अथवा पहले से संचालित खाते की बैंकिंग जानकारी हासिल कर ली जाती है, इसके बाद साइबर ठगी करने वाले गिरोह इन खातों के माध्यम से रकम का लेनदेन करते हैं,ऐसे मामलों में खाताधारक की भूमिका और जानकारी की स्थिति की जांच महत्वपूर्ण होती है, सूरजपुर में सामने आए दोनों मामलों में पुलिस ने खातों के ट्रांजेक्शन स्टेटमेंट और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर कार्रवाई की है।

एसपी के निर्देश पर कार्रवाई,पुलिस टीम रही सक्रिय

सूरजपुर पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने धोखाधड़ी और ऑनलाइन साइबर फ्रॉड के मामलों की गंभीरता से विवेचना करते हुए फरार आरोपियों की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे,इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन और सीएसपी विशाल गर्ग के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया,इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रहलाद यादव,एएसआई देवनाथ चौधरी,रंजीत सोनवानी, आरक्षक रविराज पाण्डेय और गणेश सिंह सक्रिय रहे,साइबर फ्रॉड के इन मामलों ने एक बार फिर आगाह किया है कि मामूली रकम के लालच में बैंक खाता,एटीएम,चेकबुक,पासबुक या खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर किसी दूसरे व्यक्ति को सौंपना गंभीर कानूनी परेशानी का कारण बन सकता है, पुलिस की कार्रवाई के बाद अब ऐसे खातों के पीछे सक्रिय अन्य लोगों और कथित नेटवर्क की भूमिका की जांच भी महत्वपूर्ण होगी।



मुकुंदपुर में 5.22 करोड़ के वृहद पुल का भूमिपूजन, बरसात में टूटता संपर्क अब होगा स्थायी

-संवाददाता-
एमसीबी,11 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

मुकुंदपुर से बलसोत्ता को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित वृहद पुल का भूमिपूजन बुधवार को कोड़िया नाला के पास संपन्न हुआ। पीएमजीएसवाई योजना के तहत बनने वाले इस 120 मीटर लंबे पुल पर 522.08 लाख रुपये खर्च होंगे। भूमिपूजन के साथ ही क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की दिशा में बड़ा कदम उठ गया है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत खड़गवां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम,उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह करियाम,जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा और प्रिया मसराम, मुकुंदपुर सरपंच विजय सिंह और जनपद सदस्य सीतावंती भी उपस्थित रहीं। जिला प्रशासन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कार्यक्रम में पहुंचे। बरसात में क्यों जरूरी है यह पुल मुकुंदपुर से बलसोत्ता मार्ग पर कोड़िया नाला बरसात में सबसे बड़ी बाधा बन जाता है। स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोज काम पर जाने वालों को घंटों इंतजार करना पड़ता था,कई बार लंबा चक्कर लगाना पड़ता था। नया पुल बनने के बाद यह समस्या स्थायी रूप से खत्म हो जाएगी। हर मौसम में निर्बाध आवागमन होगा। गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय,बाजार,स्कूल और अस्पताल से और मजबूत होगा। किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुंचाने में भी आसानी होगी। और मुकुंदपुर, बलसोत्ता सहित आसपास के दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस और अन्य वाहनों की आवाजाही बिना रुके हो सकेगी। क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और विकास की गतिविधियों को भी गति मिलेगी। ग्रामीणों ने भूमिपूजन पर खुशी जताई और कहा कि पुल बनने से उनका बरसात का संघर्ष खत्म होगा। प्रशासन ने निर्माण कार्य को गुणवत्ता और समय सीमा के साथ पूरा कराने का भरोसा दिलाया।

लोकनृत्य महोत्सव में दिखी जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा,विजेता दल करेंगे राज्य स्तर पर प्रदर्शन

- मांदर की थाप,करमा की रंगत : जिला स्तरीय महोत्सव में ओकरा,धनजी व करचा के दल पुरस्कृत
- जनजातीय संस्कृति का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी : सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा





-संवाददाता-
बलरामपुर,11 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय बलरामपुर स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोककला महोत्सव की जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। बलरामपुर, रामचंद्रपुर,वाड्रफनगर,राजपुर,शंकरगढ़ और कुसमी विकासखंडों से आए नर्तक दलों ने पारंपरिक वेशभूषा में मांदर और ढोल-नगाड़ों की थाप पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। विधायक ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती पैकरा ने कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति,गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और सम्मान का प्रतीक है तथा हमें प्रकृति संरक्षण,सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे के मूल्यों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक पहचान यहाँ की जनजातीय संस्कृति, लोकपर्वों और लोककलाओं में निहित है, जिसे जनजातीय समाज ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। इस सांस्कृतिक पूंजी का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधायक ने कहा कि आधुनिकता और विकास के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। युवा पीढ़ी अपनी भाषा,लोकगीतों, लोकनृत्यों और रीति-रिवाजों से जुड़ी रहे,तभी यह विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँच सकेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को पूर्वजों के ज्ञान और परंपराओं से परिचित कराने का सशक्त माध्यम हैं। प्रतियोगिता में राजपुर विकासखंड के ग्राम ओकरा की आशामनी कुजूर के नेतृत्व वाले दल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 50 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। कुसमी विकासखंड के ग्राम धनजी की विनीता कुजूर का दल 25 हजार रुपये के पुरस्कार के साथ द्वितीय रहा। कुसमी के ही ग्राम करचा के अखिलेश कुजूर के दल ने 15 हजार रुपये के पुरस्कार के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता दलों को राज्य स्तर पर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज,जनपद पंचायत अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता पैकरा,नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी,श्री कृष्णा गुप्ता,श्री भानु प्रकाश दीक्षित,श्री विजय सिंह, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री समीक्षा जायसवाल सहित समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जरही आत्मानंद विद्यालय में चोरी का खुलासा आरोपी गिरफ्तार,चोरी की पूरी सामग्री बरामद

स्कूल का पिछला दरवाजा तोड़कर स्टेशनरी,प्रिंटर,बैटरी और कंप्यूटर सीपीयू ले गया था आरोपी

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

भटगांव थाना क्षेत्र के जरही स्थित स्वामी आत्मानंद विद्यालय में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में जरही निवासी 22 वर्षीय सूरज राजवाड़े को गिरफ्तार किया है, आरोपी की निशानदेही पर विद्यालय से चोरी की गई सभी सामग्री बरामद कर ली गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आत्मानंद विद्यालय जरही के प्रभारी प्राचार्य संतोष भारती ने 10 नवंबर 2026 को थाना भटगांव में शिकायत दर्ज कराई थी, शिकायत में बताया गया कि दीपावली अवकाश के दौरान विद्यालय बंद था, 10 नवंबर को स्कूल के भृत्य और स्वीपर को साफ-सफाई के लिए भेजा गया,तब निरीक्षण के दौरान चोरी की घटना सामने आई,अज्ञात व्यक्ति ने विद्यालय के पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और स्टेशनरी सामग्री,दो प्रिंटर,चार बैट,एक कंप्यूटर सीपीयू तथा छह बैटरियां चोरी कर ली थीं,प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना



भटगांव में अपराध क्रमांक 215/26 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई,घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल ने आरोपी की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।

प्रिंटर और सीपीयू बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था संदेही-विवेचना के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि जरही निवासी संदेही सूरज राजवाड़े कंप्यूटर सीपीयू और प्रिंटर बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे पकड़ा,पूछताछ में आरोपी ने 7 नवंबर 2026 को विद्यालय के पीछे का दरवाजा तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया,आरोपी की निशानदेही पर विद्यालय के पीछे स्थित नर्सरी से चोरी की गई सामग्री बरामद की गई,इसमें चार बंडल पेपर,दो प्रिंटर,चार बैट,एक कंप्यूटर सीपीयू,सादा रजिस्टर और छह बैटरियां शामिल हैं,पुलिस ने आरोपी सूरज राजवाड़े पिता विफल राजवाड़े, उम्र 22 वर्ष, निवासी जरही थाना भटगांव को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस टीम की रही सक्रिय भूमिका-इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भटगांव बृजेश सिन्हा,एएसआई राजकिशोर खलखो,प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, आरक्षक दिनेश ठाकुर,रजनीश पटेल, विनोद प्रताप सिंह तथा सैनिक बबलू राजवाड़े सक्रिय रहे,विद्यालय में चोरी की घटना से शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हुए थे,हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई में आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी की सामग्री की बरामदगी से मामले का खुलासा हो गया।

पटवारियों की हड़ताल पर कलेक्टर सख्त,'काम नहीं तो वेतन नहीं' लागू

-संवाददाता-
एमसीबी,11 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

जिले में अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर गए पटवारियों के खिलाफ कलेक्टर ने सख्त आदेश जारी किया है। कलेक्टर कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से जारी आदेश के अनुसार हड़ताल में शामिल पटवारियों पर 'काम नहीं तो वेतन नहीं'का सिद्धांत लागू होगा। आदेश में कहा गया है कि जिले में पदस्थ पटवारी 13 अक्टूबर 2026 से हड़ताल में शामिल होकर शासकीय कार्यों का संपादन नहीं कर रहे हैं। शासन स्तर से दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों का भी पालन नहीं हो रहा है। इससे आम नागरिकों से संबंधित राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं। हड़ताल के कारण नामांतरण,सीमांकन, बंटवारा और व्यपवर्तन जैसे काम अटक गए हैं। इसके साथ ही ई-गिरदावरी योजना के तहत किसान पंजीयन,डीसीएस,पॉलीगन,अक्षांश और देशांतर की प्रविष्टि जैसे किसानमूलक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। शासन की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी असर पड़ रहा है। आदेश के अनुसार हड़ताल में शामिल होकर शासकीय कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करने वाले ऐसे सभी पटवारियों,जिनकी अनुपस्थिति स्वीकृत अवकाश अथवा अन्य किसी वैध आधार से आच्छादित नहीं है,उन्हें अनुपस्थित अवधि का वेतन नहीं दिया जाएगा। वेतन संबंधी कार्रवाई प्रचलित सेवा नियमों और शासन के निर्देशों के अनुरूप की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ पटवारियों की अनुपस्थिति का सत्यापन कर प्रमाणित प्रतिवेदन संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी को प्रस्तुत करें।

30 नवंबर तक पुराने वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य,1 दिसंबर से होगी चालानी कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाना अनिवार्य किया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी,अम्बिकापुर ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में 30 नवंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से एचएसआरपी लगवा लें। परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी निर्देश के अनुसार केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम,1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियम,1989 के प्रावधानों,सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचनाओं तथा माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों के पालन में यह व्यवस्था लागू की गई है।

CMYK



जल संरक्षण के नाम पर सरकारी धन की बर्बादी?

देवगढ़ में बोल्डर चेकडैम की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल

बोल्डर चेकडैम में कमजोर पत्थरों का इस्तेमाल! पहली बारिश में खुल सकती है निर्माण की पोल

जल संरक्षण की योजना पर गुणवता का ग्रहण,देवगढ़ में लाखों के निर्माण पर उठे सवाल

कागजों में जल संरक्षण,जमीन पर कमजोर निर्माण? सांसद प्रतिनिधि ने खोली विभागीय निगरानी की पोल

वन विभाग के निर्माण पर सवालों की बौछार,एस्टीमेट से भुगतान तक जांच की मांग

जंगल में पानी रोकने के नाम पर खर्च हो रही राशि, निर्माण की मजबूती पर ही सवाल

सरकारी धन से चेकडैम या भ्रष्टाचार की नींव? देवगढ़ के निर्माण कार्यों की जांच जरूरी

सांसद प्रतिनिधि अविनाश पाठक ने उठाए निर्माण में कमजोर पत्थरों के इस्तेमाल पर सवाल,एस्टीमेट,माप पुस्तिका और भुगतान की निष्पक्ष जांच की मांग।

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जंगलों में जल संरक्षण और भू-क्षरण रोकने के नाम पर सरकारी राशि खर्च की जा रही है, लेकिन यदि इन योजनाओं के तहत बनाए जा रहे निर्माण ही अपनी मजबूती और गुणवत्ता को लेकर सवालों के घेरे में आ जाएं,तो फिर योजना के वास्तविक उद्देश्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोरिया वन मंडल के देवगढ़ वन परिक्षेत्र में कराए जा रहे बोल्डर चेकडैम निर्माण कार्यों को लेकर अब इसी तरह की स्थिति सामने आ रही है,सांसद प्रतिनिधि अविनाश पाठक ने इन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कुछ स्थानों पर कमजोर पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा है और निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

बोल्डर चेकडैम का निर्माण जंगलों में बहने वाले बरसाती पानी की गति को नियंत्रित करने, मिट्टी के कटाव को रोकने और पानी को कुछ समय तक रोककर जमीन में जल संचयन की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जाता है, इसके लिए सरकारी राशि खर्च होती है और विभागीय स्तर पर स्थल चयन से लेकर तकनीकी स्वीकृति,निर्माण तथा गुणवत्ता निरीक्षण तक की प्रक्रिया निर्धारित होती है, लेकिन यदि निर्माण स्थल की वास्तविक स्थिति,पानी के बहाव और इस्तेमाल की जा रही सामग्री का उचित आकलन किए बिना काम कराया जाता है,तो ऐसी संरचनाओं की उपयोगिता और टिकाऊपन पर सवाल खड़े होना लाजिमी है, देवगढ़ वन परिक्षेत्र में निर्माण कार्यों को लेकर उठे सवाल केवल पत्थरों की गुणवत्ता तक सीमित नहीं हैं। मामला इस बात से भी जुड़ा है कि आखिर निर्माण कार्यों का तकनीकी परीक्षण किस स्तर पर किया गया,संबंधित अधिकारियों ने मौके पर कितनी निगरानी रखी और स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप काम कराया जा रहा है या नहीं, यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह जल संरक्षण के उद्देश्य के साथ-साथ सरकारी धन के विवेकपूर्ण उपयोग से जुड़ा गंभीर मामला होगा।

पहली तेज बारिश में खुल सकती है निर्माण की मजबूती की पोल- वन क्षेत्रों में बारिश के दौरान छोटे-बड़े नालों में पानी का बहाव तेजी से बढ़ता है,पहाड़ी और ढलान वाले क्षेत्रों में बहकर आने वाला पानी अपने साथ मिट्टी,छोटे पत्थर और अन्य सामग्री भी लाता है, ऐसी परिस्थितियों में बोल्डर चेकडैम की मजबूती की वास्तविक परीक्षा होती है,यदि संरचना निर्धारित मानकों के अनुसार तैयार नहीं की गई है,तो तेज बहाव में पत्थरों के खिसकने, संरचना के टूटने अथवा पानी के साथ निर्माण सामग्री बहने की आशंका रहती है,यही कारण है कि जल संरक्षण के लिए बनाए जाने वाले ऐसे निर्माणों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए, निर्माण पूरा होने के बाद केवल फोटो खींचकर या कागजी निरीक्षण कर लेने से उसकी वास्तविक उपयोगिता प्रमाणित नहीं होती, जरूरी है कि निर्माण स्थल पर उसकी मजबूती, पानी रोकने की क्षमता और निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप कार्य करने की स्थिति का परीक्षण किया जाए, सांसद प्रतिनिधि ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए आशंका जताई है कि यदि काम में तकनीकी मानकों की अनदेखी हुई है, तो पहली तेज बारिश में इसकी वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है,ऐसे में विभाग के लिए जरूरी है कि मानसून के दौरान संभावित नुकसान का इंतजार करने के बजाय अभी ही निर्माण की तकनीकी जांच कराई जाए।

एसडीओ और रेंज अधिकारियों की निगरानी आखिर किस स्तर पर?- किसी भी सरकारी निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केवल निर्माण करने वाले कर्मचारी या ठेकेदार तक सीमित नहीं होती, संबंधित मैदानी अमले के साथ तकनीकी अधिकारियों और वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की भी जवाबदेही होती है, निर्माण से पहले स्थल का निरीक्षण, कार्य के दौरान सामग्री और तकनीकी मानकों का परीक्षण तथा निर्माण पूरा होने के बाद गुणवत्ता की पुष्टि विभागीय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, ऐसे में देवगढ़ वन परिक्षेत्र के निर्माण कार्यों को लेकर कई सवाल सामने आते हैं, क्या संबंधित एसडीओ और रेंज अधिकारियों ने निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण किया? क्या निर्माण के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे पत्थरों की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया? क्या कार्य की प्रगति और गुणवत्ता से संबंधित निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार किए गए? क्या निर्माण कार्यों की माप निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार दर्ज की गई? यदि विभाग के अधिकारी नियमित निरीक्षण कर रहे थे, तो उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता किस आधार पर संतोषजनक पाई गई, वहीं यदि निरीक्षण में कोई कमी सामने आई थी,तो उस पर क्या कार्रवाई की गई? इन सवालों का जवाब मिलने से ही यह स्पष्ट होगा कि निर्माण कार्यों में निगरानी की व्यवस्था प्रभावी थी या फिर जिम्मेदारी केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित रह गई।

जल संरक्षण की योजना का उद्देश्य ही कमजोर निर्माण की भेंट न चढ़ जाए- वन क्षेत्रों में जल संरक्षण का महत्व केवल पानी रोकने तक सीमित नहीं है,इसका सीधा संबंध मिट्टी की नमी बनाए रखने,भू-क्षरण कम करने और जंगलों के प्राकृतिक पर्यावरण को बेहतर बनाने से है, बरसात का पानी तेजी से बहकर निकल जाने के बजाय यदि उचित संरचनाओं के माध्यम से नियंत्रित होता है,तो इससे जल संचयन और आसपास के क्षेत्र की नमी बनाए रखने में मदद मिल सकती है,लेकिन इसके लिए निर्माण का टिकाऊ और तकनीकी रूप से उपयोगी होना आवश्यक है,यदि सरकारी राशि खर्च करने के बाद भी संरचना पानी रोकने में सक्षम नहीं होती या पहली ही तेज बारिश में क्षतिग्रस्त हो जाती है,तो योजना का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा, ऐसी स्थिति में नुकसान केवल सरकारी धन का नहीं होगा,बल्कि उस जल संरक्षण की संभावना का भी होगा,जिसके लिए निर्माण कराया गया था,वन क्षेत्रों में पहले से ही प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की चुनौती है, ऐसे में जल संरक्षण के नाम पर होने वाले प्रत्येक निर्माण का उपयोगी और गुणवत्तापूर्ण होना जरूरी है, योजनाओं की सफलता का आकलन केवल स्वीकृत कार्यों की संख्या या खर्च की गई राशि से नहीं,बल्कि जमीन पर उनके वास्तविक परिणाम से होना चाहिए। डीएफओ से जवाबदेही तय करने वाले सवाल, देवगढ़ वन परिक्षेत्र में बोल्डर चेकडैम निर्माण की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बाद कोरिया वन मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषकर डीएफओ से निम्न बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने की अपेक्षा है...

1. देवगढ़ वन परिक्षेत्र में कुल कितने बोल्डर चेकडैम निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं?
2. प्रत्येक निर्माण की स्वीकृत लागत कितनी है और राशि किस योजना अथवा मद से जारी की गई है?
3. निर्माण कार्यों की प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति किस अधिकारी ने प्रदान की?
4. निर्माण में इस्तेमाल किए गए पत्थरों की गुणवत्ता और उपयुक्तता का परीक्षण किस स्तर पर किया गया?
5. क्या निर्माण कार्य स्वीकृत ड्राइंग,डिजाइन और प्राक्कलन के अनुरूप कराए जा रहे हैं?
6. संबंधित एसडीओ और रेंज अधिकारियों ने निर्माण स्थलों का कितनी बार निरीक्षण किया?
7. क्या प्रत्येक निर्माण की माप पुस्तिका (एमबी),गुणवत्ता निरीक्षण रिपोर्ट और भुगतान संबंधी अभिलेख उपलब्ध हैं?
8. क्या इन निर्माण कार्यों का स्वतंत्र तकनीकी टीम से भौतिक परीक्षण कराया जाएगा?
9. यदि किसी निर्माण में गुणवत्ता संबंधी कमी अथवा अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई की जाएगी?

पत्थर जमा देना ही चेकडैम निर्माण नहीं,तकनीकी मजबूती भी जरूरी

बोल्डर चेकडैम का निर्माण देखने में भले ही पत्थरों को व्यवस्थित ढंग से जमाने का काम लगे, लेकिन इसकी तकनीकी प्रक्रिया काफी महत्वपूर्ण होती है,किसी भी स्थान पर निर्माण से पहले वहां की भौगोलिक स्थिति,नाले की चौड़ाई,पानी के बहाव की दिशा,ढलान,मिट्टी की प्रकृति और बरसात के दौरान पानी के संभावित दबाव का आकलन किया जाना आवश्यक है,इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर निर्माण का आकार,ऊंचाई, चौड़ाई और पत्थरों की जमावट तय होती है,यदि निर्माण में कमजोर अथवा अनुपयुक्त पत्थरों का इस्तेमाल किया जाता है,या उन्हें निर्धारित तकनीकी तरीके से व्यवस्थित नहीं किया जाता,तो पानी का दबाव बढ़ने पर संरचना के क्षतिग्रस्त होने की आशंका रहती है,ऐसे में सवाल उठता है कि देवगढ़ क्षेत्र में बनाए जा रहे चेकडैम में इस्तेमाल होने वाले पत्थरों की मजबूती और उपयुक्तता का परीक्षण किस आधार पर किया गया? क्या निर्माण के दौरान तकनीकी अधिकारियों ने सामग्री की गुणवत्ता की जांच की? क्या मौके पर स्वीकृत डिजाइन और प्राक्कलन के अनुरूप काम कराया जा रहा है? सांसद प्रतिनिधि अविनाश पाठक ने इसी तरह की गुणवत्ता संबंधी चिंताएं उठाई हैं। उनका आरोप है कि निर्माण कार्यों में इस्तेमाल की जा रही सामग्री और कार्य की गुणवत्ता की जांच आवश्यक है, विभाग को इन आरोपों पर केवल औपचारिक जवाब देने के बजाय निर्माण स्थलों का तकनीकी निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति सामने रखनी चाहिए।

एस्टीमेट से भुगतान तक जांच हो, तभी सामने आएगी वास्तविक तस्वीर-

इस मामले में केवल निर्माण स्थल पर जाकर पत्थरों की स्थिति देख लेना पर्याप्त नहीं होगा, वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए निर्माण से जुड़े सभी अभिलेखों की जांच जरूरी है, प्रत्येक बोल्डर चेकडैम की प्रशासनिक स्वीकृति,तकनीकी स्वीकृति, स्वीकृत प्राक्कलन, कार्यादेश,निर्माण की ड्राइंग और डिजाइन, माप पुस्तिका (एमबी),निरीक्षण प्रतिवेदन तथा भुगतान संबंधी दस्तावेजों का मिलान किया जाना चाहिए, यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि देवगढ़ वन परिक्षेत्र में कुल कितने बोल्डर चेकडैम स्वीकृत किए गए हैं और प्रत्येक निर्माण की लागत कितनी निर्धारित है, जिस स्थान पर जितने निर्माण स्वीकृत हुए हैं, क्या वास्तव में उतने ही निर्माण कराए गए हैं? क्या उनकी लंबाई,चौड़ाई और ऊंचाई स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप है? क्या निर्माण में निर्धारित मात्रा और गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग हुआ है? भुगतान से पहले कार्य का भौतिक सत्यापन किस अधिकारी ने किया? यदि स्वीकृत राशि,माप पुस्तिका में दर्ज कार्य और मौके पर मौजूद निर्माण के बीच अंतर मिलता है, तो यह जांच का महत्वपूर्ण विषय होगा, इसलिए निर्माण कार्यों के दस्तावेजों और वास्तविक स्थिति का संयुक्त मिलान कराया जाना चाहिए, इससे न केवल गुणवत्ता की स्थिति स्पष्ट होगी, बल्कि सरकारी राशि के उपयोग में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है या नहीं, इसका भी पता चल सकेगा।

आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी,जवाब से बच नहीं सकता विभाग

सांसद प्रतिनिधि अविनाश पाठक द्वारा उठाए गए सवालों के बाद अब कोरिया वन मंडल के अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है, विभाग को चाहिए कि वह निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए निष्पक्ष तकनीकी जांच कराए,जांच में ऐसे अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए, जिनका संबंधित निर्माण कार्यों की स्वीकृति अथवा क्रियान्वयन से प्रत्यक्ष संबंध न रहा हो, इससे निरीक्षण की निष्पक्षता बनी रहेगी और गुणवत्ता संबंधी वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी, यदि जांच में निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाते हैं,तो विभाग को दस्तावेजों और तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए,वहीं यदि कमजोर सामग्री के इस्तेमाल, माप में अंतर,तकनीकी लापरवाही अथवा भुगतान में अनियमितता प्रमाणित होती है,तो जिम्मेदारों की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, वनों में जल संरक्षण के नाम पर खर्च होने वाली सरकारी राशि किसी की निजी संपत्ति नहीं,बल्कि सार्वजनिक धन है,इसका उपयोग ऐसी संरचनाएं बनाने में होना चाहिए, जो वर्षों तक अपने उद्देश्य को पूरा कर सकें, देवगढ़ वन परिक्षेत्र के बोल्डर चेकडैम पर उठे सवालों का जवाब अब केवल विभागीय बयान से नहीं,बल्कि निष्पक्ष जांच और मौके पर दिखाई देने वाले परिणामों से मिलना चाहिए, सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि जल संरक्षण के लिए बनाए जा रहे चेकडैम ही गुणवत्ता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते, तो जंगलों में पानी रोकने और सरकारी धन के सदुपयोग का उद्देश्य कैसे पूरा होगा? क्या कोरिया वन मंडल के अधिकारी इन सवालों पर जांच कराएंगे या फिर निर्माण की गुणवत्ता पर उठती आवाजें भी विभागीय फाइलों में दबकर रह जाएंगी?

शासकीय शिक्षक पर सार्वजनिक रास्ता बंद करने का आरोप,ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से लगाई गुहार

अमहर जलाशय तक जाने वाले वर्षों पुराने मार्ग पर लगाया अवरोध,पंचायत ने 560 वर्गफीट में कराया था सीसी सड़क का निर्माण,रास्ता खुलवाने की मांग

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गांव के सार्वजनिक रास्ते पर निजी कब्जे और आवागमन बाधित किए जाने का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है, जनपद पंचायत बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत अमहर में अमहर जलाशय तक पहुंचने वाले वर्षों पुराने सार्वजनिक रास्ते को बंद किए जाने का आरोप एक शासकीय शिक्षक पर लगा है,ग्रामीणों ने इस संबंध में थाना प्रभारी पटना को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और रास्ते को पूर्ववत खुलवाने की मांग की है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायत आवेदन के अनुसार, ग्राम अमहर के मुख्य मार्ग से अमहर जलाशय तक जाने के लिए लंबे समय से एक सार्वजनिक रास्ते का उपयोग किया जाता रहा है,इस मार्ग से ग्रामीणों और आम नागरिकों का आवागमन होता रहा है, रास्ते की उपयोगिता को देखते हुए ग्राम पंचायत द्वारा यहां लगभग 8×70 फीट क्षेत्रफल में सीसी सड़क का निर्माण भी कराया गया था, यानी करीब 560 वर्गफीट में निर्मित इस सड़क पर पंचायत की सरकारी राशि खर्च की गई है।

6 नवंबर को रास्ता बंद करने का आरोप- शिकायत में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव के ही एक शासकीय शिक्षक द्वारा 6 नवंबर 2026 को उक्त सार्वजनिक रास्ते को बंद कर दिया गया, इससे अमहर जलाशय तक जाने वाले लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है,ग्रामीणों का कहना है कि जिस मार्ग का उपयोग वर्षों से सार्वजनिक रूप से किया जाता रहा है और जिस पर ग्राम पंचायत द्वारा सरकारी धन खर्च कर सीसी सड़क बनाई गई है, उसे इस तरह बंद किए जाने से पूरे गांव के लोगों को परेशानी हो रही है।

सरकारी राशि से बनी सड़क, फिर आवागमन पर रोक क्यों?- इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि यदि उक्त मार्ग सार्वजनिक उपयोग में रहा है और ग्राम पंचायत ने वहां सीसी सड़क का निर्माण कराया है, तो उसे बंद किए जाने का आधार क्या है? क्या रास्ते की सार्वजनिक स्थिति और उसके उपयोग से जुड़े अभिलेखों की जांच की गई है? क्या निर्माण के समय संबंधित भूमि की स्थिति और सड़क की उपयोगिता का रिकॉर्ड पंचायत में उपलब्ध है? ग्रामीणों की शिकायत के बाद इन बिंदुओं की जांच जरूरी हो गई है। हालांकि,रास्ते की राजस्व स्थिति, भूमि का स्वामित्व और अवरोध लगाए जाने की वास्तविक परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

थाना प्रभारी से जांच और कार्रवाई की मांग- ग्रामीणों ने थाना प्रभारी पटना को आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सार्वजनिक रास्ते पर लगाए गए अवरोध को हटवाकर आवागमन पूर्ववत शुरू कराने तथा जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है,अब इस मामले में पुलिस और राजस्व प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी, रास्ते की वास्तविक स्थिति,राजस्व अभिलेख, पंचायत द्वारा कराए गए सीसी सड़क निर्माण के दस्तावेज और ग्रामीणों के पुराने उपयोग संबंधी तथ्यों की जांच से ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, सवाल यह भी है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए बनी सड़क पर अवरोध की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, ग्रामीणों को उम्मीद है कि जांच के बाद रास्ता खुलवाया जाएगा और जलाशय तक उनका आवागमन फिर से सामान्य हो सकेगा।



बच्चों के संग दीपावली मनाने पहुंचीं कलेक्टर..आकाशदीप उड़ाकर बांटी खुशियां

कलेक्टर के साथ जगमगाई बच्चों की दीपावली,स्नेह और अपनत्व से खिल उठे चेहरे

दीपों के पर्व पर बच्चों के बीच पहुंचीं कलेक्टर,उपहार से बढ़कर दिया अपनेपन का एहसास





बाल संरक्षण गृह में खुशियों की सौगात लेकर पहुंचीं कलेक्टर,बच्चों के साथ मनाया दीपोत्सव

बच्चों के सपनों को उम्मीदों का आकाश,कलेक्टर ने साथ उड़ाया खुशियों का आकाशदीप

बच्चों के साथ समय बिताकर मनाया त्योहार,मिठाइयां-फल बांटे और पटाखे फोड़कर साझा किया उल्लास,बोलीं– जीवन की चुनौतियों से घबराएं नहीं, हिम्मत के साथ आगे बढ़ें

-संवाददाता-
कोरिया,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

दीपावली का पर्व केवल घरों को रोशनी से सजाने और मिठाइयां बांटने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उन चेहरों पर मुस्कान लाने का भी पर्व है,जिन्हें स्नेह, अपनत्व और साथ की सबसे अधिक जरूरत होती है, इसी मानवीय भावना को आत्मसात करते हुए कोरिया कलेक्टर रोक्तिमा यादव दीपावली के अवसर पर बाल संरक्षण गृह के बच्चों के बीच पहुंचीं, उन्होंने बच्चों के साथ त्योहार मनाया, उनसे आत्मीय संवाद किया और मिठाइयां एवं फल वितरित कर उनके साथ खुशियों के पल साझा किए। कलेक्टर की इस पहल से बाल संरक्षण गृह का वातावरण उत्साह और उल्लास से भर गया।

आमतौर पर दीपावली पर लोग अपने परिवार और परिचितों के साथ त्योहार मनाते हैं, लेकिन कलेक्टर ने इस अवसर पर बाल संरक्षण गृह के बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें भी त्योहार की खुशियों में सहभागी बनाया। उनका यह प्रयास केवल औपचारिक शुभकामना देने तक सीमित नहीं रहा,बल्कि बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी बातें सुनने और उनके साथ समय बिताने के रूप में सामने आया। बच्चों ने भी कलेक्टर से खुलकर बातचीत की। उनके बीच सहज और आत्मीय माहौल देखने को मिला।

मिठाइयों और फलों के साथ बांटा अपनत्व- इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेन्द्र गुप्ता तथा बाल संरक्षण गृह के अधीक्षक भी उपस्थित रहे,अतिथियों ने बच्चों को मिठाइयां और फल वितरित किए तथा उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं,बच्चों के बीच पहुंचकर अधिकारियों ने त्योहार की खुशियों को उनके साथ बांटा और उन्हें प्रोत्साहित किया।

त्योहार की असली रोशनी है स्नेह और संवेदनशीलता-दीपावली पर बाल संरक्षण गृह में मनाया गया यह आयोजन एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी देता है। त्योहार की खुशियां तभी व्यापक होती हैं,जब समाज के हर वर्ग और हर बच्चे को उसमें भागीदारी का अवसर मिले,बच्चों के लिए किसी का समय देना,उनकी बातों को ध्यान से सुनना,उन्हें प्रोत्साहित करना और उनके भीतर भविष्य के प्रति उम्मीद जगाना भी किसी बड़े उपहार से कम नहीं है।

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव की यह पहल प्रशासनिक दायित्वों के साथ मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण बनी,बाल संरक्षण गृह के बच्चों के बीच पहुंचकर उन्होंने यह संदेश दिया कि खुशियां केवल अपने घर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। बल्कि उन्हें उन लोगों तक भी पहुंचाना चाहिए जिन्हें अपनत्व और प्रोत्साहन की जरूरत है, दीपावली के दीपों के बीच बच्चों के चेहरों पर खिली मुस्कान इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही, मिठाइयों, फलों और पटाखों के साथ मिला स्नेह और अपनापन उनके लिए त्योहार की यादगार सौगात बन गया।

बच्चों को दिया हौसले और आत्मविश्वास का संदेश-
इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि जीवन में कभी भी अपने मन को उदास नहीं होने देना चाहिए, जीवन में अनेक तरह की चुनौतियां और कठिन परिस्थितियां आती हैं, लेकिन उनसे घबराने के बजाय उनका साहस के साथ सामना करना चाहिए, उन्होंने बच्चों को समझाया कि मुश्किलें जीवन का हिस्सा हैं, उनसे हार मानने के बजाय आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए, कलेक्टर ने बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की, उन्होंने बच्चों के साथ आत्मीयता से संवाद किया, जिससे बच्चे भी सहज महसूस करते नजर आए, इस तरह की मुलाकात बच्चों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें यह एहसास दिलाने का माध्यम बनती है कि समाज और प्रशासन उनके सुख-दुख के प्रति संवेदनशील है।

पटाखे फोड़कर बच्चों के उत्साह में हुईं शामिल-
दीपावली के उत्सव को यादगार बनाने के लिए कलेक्टर ने बच्चों के साथ पटाखे भी फोड़े, बच्चों के बीच पहुंचकर उन्होंने उनके उत्साह और उमंग में सहभागिता की। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी, त्योहार के इस माहौल में बच्चों को केवल मिठाइयां और फल ही नहीं मिले, बल्कि उनके साथ बिताया गया समय और स्नेह भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, बाल संरक्षण गृह में दीपावली के अवसर पर आयोजित इस मिलन ने बच्चों को त्योहार का आनंद सामूहिक रूप से मनाने का अवसर दिया, कलेक्टर ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, शांति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सामाजिक एकजुटता के साथ जरूरतमंदों की मदद का संकल्प,युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

सर्व ब्राह्मण समाज का दीपावली मिलन समारोह आयोजित,वरिष्ठजनों ने संगठन की मजबूती और सामाजिक गतिविधियों के विस्तार पर रखे विचार



-संवाददाता-
सूरजपुर,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकजुटता का संदेश देता है,इसी भावना के साथ सर्व ब्राह्मण समाज सूरजपुर की ओर से सोमवार, 9 नवंबर को श्री शिवपरशुराम धाम में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया,समारोह में समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों,कार्यकर्ताओं और सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती पर चर्चा की, बैठक में विशेष रूप से सामाजिक कार्यक्रमों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया, कार्यक्रम की शुरुआत श्री परशुराम मंदिर में आयोजित संध्या आरती में समाज के सदस्यों की सहभागिता के साथ हुई, इसके पश्चात आयोजित बैठक में समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं अधिवक्ता आरपी वाजपेयी ने उपस्थित लोगों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि समाज के सदस्यों को आपस में जोड़े रखने के लिए समय-समय पर बैठक और सामाजिक आयोजन होते रहने चाहिए, नियमित संवाद से आपसी संबंध मजबूत होते हैं और समाज के सामूहिक हितों पर सार्थक चर्चा का अवसर मिलता है।

बैठक को संबोधित करते हुए एसके तिवारी ने सामाजिक आयोजनों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, उन्होंने कहा कि किसी भी सामाजिक संगठन की मजबूती केवल वरिष्ठजनों के अनुभव से नहीं,बल्कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी और ऊर्जा से भी सुनिश्चित होती है, इसलिए युवाओं को संगठनात्मक गतिविधियों और सामाजिक दायित्वों से जोड़ना जरूरी है, वरिष्ठ सदस्य रामकृष्ण ओझा, अजय मिश्रा एवं समाज के जिलाध्यक्ष मनोज अवस्थी ने भी अपने विचार व्यक्त किए, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने कहा कि सूरजपुर में समाज ने आपसी सहयोग और समन्वय के माध्यम से एक मजबूत सामाजिक ढांचा तैयार किया है, यह सामूहिक प्रयासों का परिणाम है और इसे आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों को मिलकर काम करना चाहिए, उन्होंने संगठन के बेहतर संचालन, सामाजिक गतिविधियों के विस्तार और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सामूहिक पहल करने पर जोर दिया, समारोह में समाज की एकजुटता बनाए रखने, आपसी सहयोग को बढ़ावा देने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सक्रिय रहने की भावना व्यक्त की गई। वक्ताओं के विचारों में यह संदेश प्रमुखता से सामने आया कि सामाजिक संगठन की वास्तविक सार्थकता केवल आयोजनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों के काम आने और नई पीढ़ी को सामाजिक दायित्वों से जोड़ने में भी दिखनी चाहिए, कार्यक्रम का संचालन अशोक उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर वीएस मिश्रा, साहेब पाठक, अमरपाल मिश्रा, डॉ. एचएन चतुर्वेदी, शेष नारायण शर्मा, पारसनाथ दुबे, विजयदत्त तिवारी, बबलू महाराज, पूर्णानंद तिवारी, दया चौबे, श्यामनारायण शर्मा, कार्तिक दुबे सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सामूहिक शांतिपाठ के साथ समारोह का समापन हुआ।

बच्चों की खिलखिलाहट के बीच मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मनाया जन्मदिन,आंगनबाड़ी में बच्चों के साथ किया न्योता भोज

नन्हे-मुन्नों ने गीत और कविताएं सुनाकर दी जन्मदिन की बधाई,मंत्री ने खुद परोसा भोजन और बच्चों के साथ पंगत में बैठकर किया भोजन,टॉफियां व उपहार पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

-संवाददाता-
सूरजपुर ,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जन्मदिन को आमतौर पर परिवार और परिचितों के बीच उत्सव के रूप में मनाया जाता है, लेकिन जब इस खास दिन की खुशियां उन नन्हे चेहरों के साथ साझा की जाएं, जिनकी मुस्कान ही सबसे बड़ा उपहार हो, तो उसका महत्व और बढ़ जाता है, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना जन्मदिन कुछ इसी आत्मीय अंदाज में सूरजपुर जिले के ग्राम लटोरी के नवापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के बीच मनाया, यहां उन्होंने न केवल बच्चों के साथ समय बिताया, बल्कि न्योता भोज के माध्यम से उनके साथ भोजन भी साझा किया, मंत्री ने अपने हाथों से बच्चों को भोजन परोसा और स्वयं भी उनके साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया, इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी भी उपस्थित रहे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचते ही बच्चों ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया, नन्हे-मुन्नों ने एक स्वर में 'हैप्पी बर्थडे टू यू' गाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी, बच्चों की मासूम आवाज और सहज अभिव्यक्ति ने आयोजन को औपचारिकता से अलग एक पारिवारिक माहौल दे दिया, मंत्री ने भी बच्चों के बीच बैठकर उनसे बातचीत की, उनके नाम पूछे और उन्हें खुलकर अपनी बातें रखने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ अपना परिचय दिया और अपनी बाल कविताएं सुनाईं।

गीत-कविताओं से बच्चों ने बनाया जन्मदिन खास- आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की प्रस्तुतियां आयोजन का आकर्षण रहीं, किसी ने 'मछली जल की रानी है' सुनाई तो किसी ने 'आलू कचालू' और 'तितली रानी'







जैसी बाल कविताओं से सभी का ध्यान खींचा, बच्चों की इन छोटी-छोटी प्रस्तुतियों पर मंत्री ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया, उन्होंने बच्चों से सहज अंदाज में सवाल भी किए और उनकी प्रतिक्रियाओं को ध्यान से सुना, मंत्री ने जब पूछा कि आंगनबाड़ी केंद्र में रोज कौन-कौन आता है, तो बच्चों ने मुस्कुराते हुए हाथ उठाकर जवाब दिया, उनकी सहजता और आत्मविश्वास देखकर वहां मौजूद लोगों के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई, इस संवाद के माध्यम से बच्चों को अपनी बात कहने और समूह के सामने अभिव्यक्ति का अवसर मिला।

चॉकलेट का रैपर कहां डालना चाहिए? बच्चों ने दिया सही जवाब- बच्चों के साथ बातचीत के दौरान मंत्री ने स्वच्छता और अच्छी आदतों को लेकर भी सवाल किए, उन्होंने पूछा कि चॉकलेट खाने के बाद उसका रैपर कहां डालना चाहिए? इस पर बच्चों ने एक साथ जवाब दिया–डस्टबिन में, बच्चों के सही जवाब पर मंत्री ने उनकी सराहना की और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की सीख दी, उन्होंने बच्चों को छोटी उम्र से ही स्वच्छता की आदत अपनाने और अपने आसपास के वातावरण को साफ रखने के लिए प्रेरित किया, इस तरह जन्मदिन का आयोजन केवल मनोरंजन और उपहार वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चों को रोजमर्रा के व्यवहार में अच्छी आदतें अपनाने का संदेश देने का अवसर भी बना।

मंत्री ने खुद परोसा भोजन, बच्चों के साथ पंगत में बैठकर किया भोजन- न्योता भोज के दौरान बच्चों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई थी, मेन्यू में चावल, दाल, खीर, पूड़ी, छोला और मुनगा भाजी सहित कई व्यंजन शामिल थे। भोजन शुरू करने से पहले बच्चों ने सामूहिक रूप से भोजन मंत्र का पाठ किया, इसके बाद मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वयं बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया, मंत्री का बच्चों के बीच बैठकर भोजन करना आयोजन की सबसे आत्मीय झलक रही, इससे बच्चों के साथ समानता और अपनत्व का भाव दिखाई दिया, बच्चों के साथ एक ही पंगत में भोजन साझा करते हुए उन्होंने अपने जन्मदिन की खुशियों को उनके बीच बांटा, भोजन के बाद मंत्री ने बच्चों को टॉफियां और उपहार भेंट किए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

न्योता भोज से बच्चों के पोषण और सामुदायिक सहभागिता का संदेश-

आंगनबाड़ी केंद्रों में न्योता भोज की पहल का उद्देश्य बच्चों के पोषण, देखभाल और समग्र विकास से समाज की सहभागिता को जोड़ना है, इस तरह के आयोजनों के माध्यम से जनप्रतिनिधि, अधिकारी और समुदाय बच्चों के साथ समय बिताकर उनके खान-पान, व्यवहार और विकास से जुड़े विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ा सकते हैं, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना जन्मदिन आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ मनाकर इसी सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया, बच्चों के साथ भोजन साझा करना, उनकी बातें सुनना और उन्हें प्रोत्साहित करना इस आयोजन की विशेषता रही, इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी बच्चों के साथ समय बिताया, बच्चों के गीत, कविताएं, मासूम सवाल-जवाब और खिलखिलाहट ने जन्मदिन के इस आयोजन को यादगार बना दिया, जन्मदिन पर बच्चों के बीच पहुंचकर मंत्री ने खुशियां बांटने का ऐसा तरीका चुना, जिसमें महंगे उपहारों से अधिक महत्व बच्चों के साथ बिताए गए समय और उनके चेहरे पर आई मुस्कान का रहा, आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित यह न्योता भोज बच्चों के पोषण, स्वच्छता और सामुदायिक जुड़ाव का संदेश देने वाला आत्मीय आयोजन बना।

खड़गवां में बावनपरी के कथित अवैध फड़ पर पुलिस की चुप्पी क्यों?

नदी उस पार बेखौफ सज रहे जुए के फड़! मुखबिर तंत्र फेल या फिर सूचना के बावजूद कार्रवाई से परहेज? थाना स्तर की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

-संवाददाता-
खड़गवां ,11 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

खड़गवां थाना क्षेत्र में बावनपरी (52 पत्ती) के कथित अवैध जुए का कारोबार इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार नदी के उस पार कथित रूप से जुए के फड़ सज रहे हैं, जहां बड़ी-बड़ी रकम दांव पर लगाई जा रही है, हैरानी की बात यह है कि क्षेत्र में इन गतिविधियों की चर्चाओं के बावजूद पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई है, ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर खड़गवां पुलिस की निगरानी व्यवस्था कहां है और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है?

नदी के उस पार फड़ सजने की चर्चा, पुलिस की नजर क्यों नहीं?-सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में कथित रूप से जुए के फड़ संचालित हो रहे हैं और इसकी जानकारी स्थानीय लोगों तक पहुंच रही है, तो पुलिस के जिम्मेदार अधिकारियों तक इसकी सूचना क्यों नहीं पहुंच



रही? क्या पुलिस का मुखबिर तंत्र इतना कमजोर हो गया है कि थाना क्षेत्र में चल रही संदिग्ध गतिविधियों की भनक तक नहीं लग पा रही है? अथवा सूचनाएं मिलने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है? इन दोनों ही परिस्थितियों में थाना स्तर की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं।

थाना प्रभारी बदलते ही बदल जाती है पुलिस की सक्रियता?- स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि पूर्व में कुछ थाना प्रभारियों के कार्यकाल में क्षेत्रीय निगरानी और सूचना संकलन को लेकर पुलिस की सक्रियता अधिक दिखाई देती थी। लेकिन वर्तमान में कथित जुआ गतिविधियों को लेकर अपेक्षित कार्रवाई नजर नहीं आने से सवाल उठने लगे हैं, क्या नियमित गश्त की जा रही है? क्या संवेदनशील इलाकों की निगरानी हो रही है? यदि पुलिस की टीम सक्रिय है तो नदी के उस पार कथित रूप से संचालित गतिविधियों की जानकारी और कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं है?

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को लेना चाहिए संज्ञान-मामले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निष्पक्ष जांच करानी चाहिए, नदी के उस पार के संभावित ठिकानों की गोपनीय निगरानी, सूचना तंत्र की समीक्षा और थाना स्तर पर की गई कार्रवाई का परीक्षण जरूरी है,यदि जुए का अवैध कारोबार संचालित पाया जाता है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि पुलिसकर्मियों की लापरवाही या किसी प्रकार की मिलीभगत सामने आती है तो उसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए,आखिर सवाल सिर्फ बावनपरी के कथित फड़ का नहीं,बल्कि पुलिस की जवाबदेही का भी है, जब स्थानीय स्तर पर किसी अवैध गतिविधि की चर्चा लगातार हो रही हो, तब पुलिस की चुप्पी अपने आप में कई सवाल खड़े करती है।



प्रिया भवानी शंकर ने बॉयफ्रेंड राजवेल राज संग रचाई शादी

इंटीमेट सेरेमनी का वीडियो आया सामने

तमिल-तेलुगु एक्ट्रेस प्रिया भवानी शंकर और राजवेल राज ने अपने करीबियों की मौजूदगी में शादी कर ली। एक्टर कायल देवराज ने कपल की शादी की खूबसूरत झलक शेयर की है। तमिल-तेलुगु एक्ट्रेस प्रिया भवानी शंकर शादी के बंधन में बंध गई हैं। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड राजवेल राज के साथ एक निजी समारोह में शादी की, जिसमें उनके करीबी लोग शामिल थे। मंगलवार को प्रिया ने प्री-वेडिंग सेरेमनी जैसी दिखने वाली एक तस्वीर पोस्ट करके अपनी शादी का हिंट दिया था। शादी के बाद बुधवार को शेयर किए गए एक वीडियो में यह जोड़ा अपनी शादी की रस्में निभाते नजर आ रहा है।

प्रिया भवानी शंकर की शादी का वीडियो

शादी के वीडियो में राजवेल व्हाइट कुर्ता पहने हुए सबसे पहले आते दिख रहे हैं। उनके आसपास परिवार की महिलाएं हैं,जिन्होंने फूलों के गुलदस्ते पकड़ रखे हैं। लाल और सुनहरी साड़ी में सजी प्रिया को कुछ पुरुष फूलों की चादर के नीचे से लेकर आते नजर आ रहे हैं। शादी की रस्में शुरू होने से पहले प्रिया और राजवेल फूलों से सजे मंडप में एक-दूसरे को गले लगाते हैं। रस्मों के दौरान,जब पंडित जी उन्हें निर्देश दे रहे थे तब यह जोड़ा हंसता-मुस्कुराता और एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करता दिखाई देता है। इसके बाद राजवेल ने प्रिया को थाली यानी मंगलसूत्र पहनाई। प्रिया और राजवेल ने अभी तक अपनी शादी की तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं किए हैं। हालांकि, एक्टर कायल देवराज ने कपल की शादी की खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है।

प्रिया भवानी शंकर का प्री-वेडिंग सेरेमनी लुक

शादी से एक दिन पहले प्रिया ने हिंट दिया था कि वह जल्द ही शादी करने वाली हैं। हरी साड़ी पहने और बालों में चमेली के फूल लगाए प्रिया प्री-वेडिंग सेरेमनी के दौरान राजवेल के साथ बेहद खुश नजर आ रही थीं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जो तस्वीर पोस्ट की थी, उसमें बज रहे शादी के संगीत से ही इस बात का पता चल गया था। यह जोड़ा अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की तस्वीरें शेयर करता रहा है और बताया जाता है कि वे कई सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में रिमी टॉमी ने भी अपनी दूसरी शादी का ऐलान किया था।

प्रिया भवानी शंकर का फिल्मी करियर

एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले प्रिया ने तमिल न्यूज चैनल में न्यूज एंकर के तौर पर पहचान बनाई थी। उन्होंने 2014 में टीवी शो कल्याणम मुधल काधल वरई में काम किया और जोड़ी नंबर 1 तथा सुपर सिंगर जैसे टीवी शो को होस्ट भी किया। उन्होंने 2017 में फिल्म मेयाधा मान से फिल्मों में कदम रखा। तमिल में मॉन्स्टर, माफियाः चैप्टर 1, ओह मनापेन्ने! और तिरुचित्रम्बलम जैसी फिल्मों में काम करने के बाद उन्होंने 2023 में कल्याणम कमनीयम के साथ तेलुगु सिनेमा में भी डेब्यू किया।

प्रिया भवानी की आने वाली फिल्में

साउथ एक्ट्रेस प्रिया ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है, जिनमें प्राइम वीडियो की सीरीज टाइम एना बॉस!?, सोनीलिव का शो विक्टिम और प्राइम वीडियो की तेलुगु सीरीज धूथा शामिल हैं। हाल ही में वह तमिल फिल्म हॉट स्पॉट 2 मच और तेलुगु फिल्म इरुमुडी में नजर आई थीं। अब उनकी आने वाली तमिल फिल्मों में डेमोंटे कॉलोनी 3, मरगधा नानयम 2 और इंडियन 3 शामिल हैं।

गनमास्टर जी 9' ट्रेलर में इमरान हाशमी का दिखा धांसू एक्शन

परिवार के लिए दुश्मनों से लेंगे टक्कर, अपारशक्ति खुराना ने लूटी महफिल

आदित्य दत्त के निर्देशन में बनी गनमास्टर जी 9 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें अपारशक्ति खुराना विलेन के रूप में नजर आ रहे हैं, जबकि इमरान हाशमी अपने लवर बॉय-गैंगस्टर वाले अवतार में वापस लौटे हैं। इस ट्रेलर में जेनेलिया की झलक भी देखने को मिलती है।

आवारापन 2 की जबरदस्त सफलता के बाद इमरान हाशमी के प्रशंसक अब उनकी अगली फिल्म गनमास्टर जी 9 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं,जिसका निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। फिल्म निर्माता और एक्टर इससे पहले आशिक बनाया आपने और दिल दिया है जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं, जिनमें से पहली फिल्म एक म्यूजिकल हिट रही थी। अब बुधवार,11 नवंबर को गनमास्टर जी 9 का ट्रेलर रिलीज किया गया,जो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। आदित्य दत्त के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक थ्रिलर फिल्म का एक्शन और इमोशन से भरपूर ट्रेलर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। गनमास्टर जी 9 के लीड एक्टर, एक्ट्रेस और विलेन के नाम का भी खुलासा हो गया है।

गनमास्टर जी9 का ट्रेलर रिलीज

फिल्म का ट्रेलर 2 मिनट 41 सेकंड तक दर्शकों बांधे रखेगा। इसमें जबरदस्त एक्शन के साथ-साथ इमरान हाशमी और जेनेलिया की रोमांटिक केमिस्ट्री भी देखने को मिलने वाली है। ट्रेलर में कहानी काफी आम सी लगती है-एक गैंगस्टर, उसका



अतीत और उसका वर्तमान। हालांकि,ट्रेलर को जिस तरह से एडिट किया गया है और सीन्स को जिस तरह से पेश किया गया है। वह सच में काफी जबरदस्त है। गनमास्टर जी9 ट्रेलर में डायलॉग्स भी दमदार है और इसमें एक्टर का धांसू एक्शन देखने को मिलेगा।

अपारशक्ति खुराना से पंगा लेंगे इमरान हाशमी

गनमास्टर जी9 ट्रेलर में अपारशक्ति खुराना का एक अलग ही किरदार देखने को मिला। फिल्म में वे विलेन के रोल में नजर आएंगे। वहीं,अपारशक्ति खुराना और इमरान हाशमी के बीच जबरदस्त लड़ाई भी देखने को मिलेगी। इस फिल्म के जरिए इमरान हाशमी एक बार फिर अपने पुराने लवर बॉय-गैंगस्टर अवतार में नजर आने वाले हैं। उन्हें बड़े पर्दे पर इस अंदाज में देखने के लिए फैंस भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर में जेनेलिया का स्क्रीन टाइम कम है, लेकिन फिर भी वे अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। हाल ही में फिल्म की शूटिंग के दौरान इमरान हाशमी का एक खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो सामने आया था,जिसे देखकर फैंस ने एक्टर की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी।

गनमास्टर जी 9 कब होगी रिलीज

गनमास्टर जी 9 27 नवंबर 2026 को रिलीज होने वाली है। यह फिल्म अकेले रिलीज नहीं होगी, क्योंकि इसी तारीख को आयुष्मान खुराना और शरवरी की फिल्म ये प्रेम मोल लिया भी रिलीज होने वाली है। दिलचस्प बात यह है कि बॉक्स ऑफिस पर आयुष्मान और अपारशक्ति के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। गनमास्टर जी 9 से काफी उम्मीदें हैं,क्योंकि इमरान और आदित्य दो दशकों के बाद एक साथ काम कर रहे हैं।

तेरे बिन का दुनिया भर में जलवा



अपने समापन के दो साल बाद भी,तेरे बिन चर्चा में बना हुआ है। वहाज अली और युमना जैदी की शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों को बांधे रखने से लेकर यूट्यूब पर रिकॉर्ड तोड़ने तक,यह पाकिस्तानी ड्रामा साबित कर रहा है कि इसका क्रेज अभी खत्म नहीं हुआ है। अब, इस शो ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है,जिससे फैंस के पास जश्न मनाने का एक और मौका मिल गया है। मुर्तसिम के रूप में वहाज अली और मीराब के रूप में युमना जैदी अभिनीत तेरे बिन ने यूट्यूब पर 6 बिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसा करने वाला यह पहला पाकिस्तानी ड्रामा बन गया है। इस नई उपलब्धि के बाद फैंस जश्न मना रहे हैं, क्योंकि शो खत्म होने के इतने सालों बाद भी इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। यह ड्रामा पहले ही 5 बिलियन व्यूज का आंकड़ा पार करके इतिहास रच चुका था, और ऐसा करने वाला यह पहला पाकिस्तानी सीरियल बना था। चूंकि किसी अन्य पाकिस्तानी ड्रामा ने अब तक इतने व्यूज हासिल नहीं किए हैं, इसलिए तेरे बिन का अपना एक अलग ही मुकाम है। शो की लोकप्रियता का मुख्य श्रेय वहाज अली और युमना जैदी की केमिस्ट्री को जाता है। मुर्तसिम और मीराब के रूप में उनके अभिनय को दुनिया भर के दर्शकों ने बेहद पसंद किया। दिलचस्प बात यह है कि यह उपलब्धि ऐसे समय में मिली है,जब इसके बहुप्रतीक्षित सीक्वल तेरे बिन 2 को लेकर चल रही अटकलों ने फैंस को चिंता में डाल दिया है।

क्या तेरे बिन 2 कैंसिल हो गया है?

जहां एक तरफ फैंस शो के इस नए रिकॉर्ड का जश्न मना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इसके बहुप्रतीक्षित सीक्वल को लेकर अनिश्चितता भी बनी हुई है। दर्शक लगभग तीन सालों से वहाज अली और युमना जैदी को फिर से मुर्तसिम और मीराब के रूप में देखने का इंतजार कर रहे हैं। 2023 में जब से मेकर्स ने तेरे बिन 2 की घोषणा की है, तब से इसे लेकर उम्मीदें लगातार बढ़ती जा रही हैं। हालांकि,हालिया रिपोर्ट्स ने इस बात पर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या इसका दूसरा सीजन वास्तव में आएगा भी या नहीं। पाकिस्तानी ड्रामा क्रिटिक शीबा खान ने एक अपडेट शेयर किया है, जिसके अनुसार जियो एंटरटेनमेंट और 7 स्काई एंटरटेनमेंट अब अलग हो गए हैं। इससे तेरे बिन 2 के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं,खासकर इसलिए क्योंकि ओरिजिनल ड्रामा 7 स्काई एंटरटेनमेंट के बैनर तले ही बना था। इस खबर से फैंस निराश हैं और अब वे मेकर्स या मुख्य कलाकारों की ओर से किसी आधिकारिक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस हिट पाकिस्तानी ड्रामा के बारे में और जानें मुर्तसिम के रोल में वहाज अली और मीराब के रोल में युमना ज़ैदी अभिनीत,तेरे बिन 28 दिसंबर 2022 को शुरू हुआ और 58 एपिसोड के बाद 6 जुलाई 2023 को समाप्त हुआ। 7 स्काई एंटरटेनमेंट के बैनर तले अब्दुल्ला कदवानी और असद कुरैशी द्वारा निर्मित और सिराज-उल-हक द्वारा निर्देशित यह ड्रामा दुनिया भर में छा गया। अपनी भावुक कहानी और मुख्य जोड़ी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से इसने दर्शकों का दिल जीत लिया। हालांकि तेरे बिन 2 को लेकर अभी कुछ पक्का नहीं है, लेकिन इस ड्रामा की हालिया उपलब्धि यह साबित करती है कि इसकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है। फिलहाल, फैंस इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि मेकर्स जल्द ही मुर्तसिम और मीराब को फिर से स्क्रीन पर वापस लाएंगे।

काव्या मारन को अनिरुद्ध ने पहनाई हीरे की अंगूठी?



मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर दोनों का एक कथित रोमांटिक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में अनिरुद्ध ग्रीस की खूबसूरत लोकेशन पर काव्या को हीरे की बड़ी अंगूठी पहनाकर प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। पहली नजर में यह वीडियो किसी वास्तविक रोमांटिक समारोह जैसा दिखाई देता है। लेकिन इसकी सच्चाई सामने आने के बाद प्रशंसक हैरान रह गए। दरअसल, वायरल हो रहा प्रपोजल वीडियो असली नहीं,बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार किया गया है। वायरल वीडियो में अनिरुद्ध और काव्या जैसे दिखने वाले दो लोग एक खूबसूरत स्थान पर हाथों में हाथ डालकर चलते हुए दिखाई देते हैं। पीछे आकर्षक सजावट और ग्रीस का मनमोहक दृश्य नजर आता है। वीडियो में युवक पहले युवती को घुमाता है और फिर उसके चेहरे को प्यार से छूता है। इसके बाद वह एक चमकदार अंगूठी निकालकर उसकी उंगली में पहनाता हुआ दिखाई देता है। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया गया। कई लोगों ने इसे अनिरुद्ध और काव्या की वास्तविक प्रेम कहानी से जोड़कर देखना शुरू कर दिया। वीडियो के असली होने का दावा गलत निकला है। जिस सोशल मीडिया अकाउंट से इसे साझा किया गया था, उसने खुद स्पष्ट किया कि यह एआई की मदद से बनाया गया वीडियो है। टाइम्स ऑफ इंडिया और फ्री प्रेस जर्नल की 11 नवंबर 2026 की फैक्ट-चेक रिपोर्ट के मुताबिक, यह किसी वास्तविक प्रपोजल की रिकॉर्डिंग नहीं है। अनिरुद्ध या काव्या की ओर से भी इस तरह के प्रपोजल का कोई आधिकारिक वीडियो साझा नहीं किया गया है। ऐसे में वायरल क्लिप को दोनों की वास्तविक सगाई या प्रपोजल का प्रमाण नहीं माना जा सकता। अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन के विवाह की खबरें पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों के विवाह समारोह का आयोजन 10 और 11 नवंबर 2026 को ग्रीस में रखा गया है। एनडीटीवी ने 11 नवंबर को सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों की पारंपरिक तमिल सगाई की रस्म निश्चयार्थम 10 नवंबर को ग्रीस में आयोजित हुई।

खेल समाचार

अनुष्का शर्मा को मिली टी20 और वनडे टीम की कमान

इंडिया ए की 3 अलग-अलग टीमों का ऐलान

नई दिल्ली,11 नवम्बर 2026। इंग्लैंड ए महिला टीम के भारत दौरे के लिए इंडिया ए की तीन टीमों का ऐलान किया गया है। अनुष्का शर्मा टी20 और वनडे टीम की कप्तान होंगी,जबकि मिन्नू मणि को मल्टी-डे टीम की जिम्मेदारी मिली है। भारतीय महिला क्रिकेट में अपनी प्रतिभा दिखाने का युवा खिलाड़ियों को एक और बड़ा मौका मिलने जा रहा है। इंग्लैंड ए की महिला टीम भारत दौरे पर तीनों फॉर्मेट में मुकाबले खेलने आएगी। इस सीरीज के लिए वूमेन्स सिलेक्शन कमेटी ने इंडिया ए की तीन अलग-अलग टीमों का ऐलान कर दिया है। दोनों टीमों के बीच तीन टी20, तीन वनडे और एक मल्टी-डे मुकाबला खेला जाएगा। टी20 सीरीज के सभी मुकाबले पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं, वनडे सीरीज और मल्टी-डे मुकाबले की मेजबानी मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम करेगा।

अनुष्का शर्मा को टी 20 और वनडे टीम की कमान

टी20 और वनडे दोनों टीमों की कप्तानी अनुष्का शर्मा को सौंपी गई है, जबकि मिन्नू



मणि को उपकप्तान बनाया गया है। टी20 टीम में वृंदा दिनेश,तनिषा सिंह,सानिका चाल्के,निकी प्रसाद,जी कमलिनी,शिप्रा गिरि,अमनजोत कौर,श्रेयंका पाटिल और काशवी गौतम जैसे खिलाड़ियों को जगह मिली है।वहीं,वनडे टीम में भी कई खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। इस टीम में वृंदा दिनेश,तनिषा सिंह,प्रिया पुनिया,निकी प्रसाद, जी कमलिनी,शिप्रा गिरि,मिन्नू मणि,तेजल हसबनीस,श्रेयंका पाटिल और शबनम शकील शामिल हैं।

मिन्नू मणि को मल्टी-डे टीम की कप्तानी

मल्टी-डे मुकाबले के लिए चुनी गई टीम की कमान मिन्नू मणि को दी गई है,जबकि तेजल हसबनीस उपकप्तान होंगी। इस टीम में शुभा सतीश,प्रिया पुनिया,तनिषा सिंह,पूर्वजा वेर्लेकर,हेनरीटा परेरा,शिप्रा गिरि,उमा छेत्री, श्रेयंका पाटिल,सायमा ठाकोर और शबनम शकील को शामिल किया गया है।

टी 20आई सीरीज के लिए इंडिया:ए टीम:

वृंदा दिनेश, तनीषा सिंह, सानिका चालके, अनुष्का शर्मा (कप्तान),निकी प्रसाद,जी कमलिनी (विकेटकीपर),शिप्रा गिरी (विकेटकीपर),मिन्नू मणि (उपकप्तान), अमनजोत कौर,श्रेयंका पाटिल,वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत,साइमा ठाकोर,मोनिका पटेल, काशवी गौतम

ओडीआई सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम:

वृंदा दिनेश,तनीषा सिंह,प्रिया पुनिया,अनुष्का शर्मा (कप्तान),निकी प्रसाद,जी कमलिनी (विकेटकीपर),शिप्रा गिरी (विकेटकीपर), मिन्नू मणि (उपकप्तान),तेजल हसब्निस, श्रेयंका पाटिल,अमीषा बहुकंदी,शबनम शकील, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, काशवी गौतम

मल्टी-डे मैच के लिए इंडिया-ए टीम:

शुभा सतीश,प्रिया पुनिया,तनीषा सिंह,पूर्वाजा वर्लेकर,हेनरीटा परेरा, तेजल हसब्निस (उपकप्तान),शिप्रा गिरी (विकेटकीपर) उमा छेत्री (विकेटकीपर),मिन्नू मणि (कप्तान), श्रेयंका पाटिल,साइमा ठाकोर,अक्षिता भगत, अमीषा बहुकांडी,हैप्पी कुमारी, शबनम शकील।

इंग्लैंड महिला ए टीम का भारत दौरा

पहला टी 20: 30 नवंबर 26, दोपहर 1:00 बजे (पुणे)
दूसरा टी20: 03 दिसंबर 26, शाम 6:00 बजे (पुणे)
तीसरा टी20: 05 दिसंबर 26, शाम 6:00 बजे (पुणे)
पहला वनडे :08 दिसंबर 26, सुबह 9:00 बजे (मुंबई)
दूसरा वनडे : 11 दिसंबर 26, दोपहर 2:00 बजे (मुंबई)
तीसरा वनडे :14 दिसंबर 26, दोपहर 2:00 बजे (मुंबई)
मल्टी-डे मैच :19 दिसंबर 26, सुबह 9 :30 बजे (मुंबई)

शूटिंग में भारत का जलवा

नीरज कुमार ने विश्व चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली,11 नवम्बर 2026। भारतीय निशानेबाजी के लिए बुधवार का दिन शानदार रहा। कतर की राजधानी दोहा में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाज नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश को बड़ी सफलता दिलाई। इस उपलब्धि के साथ नीरज ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए भारत का पहला राइफल कोटा भी हासिल किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने 346.5 अंक बनाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह मौजूदा विश्व चैंपियनशिप में भारत का दूसरा ओलंपिक शूटिंग कोटा है। इससे पहले जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर पहला कोटा हासिल किया था।



एसएएफएफ चैंपियनशिप में भारत का जलवा

मालदीव को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री

ढाका,11 नवंबर 2026। भारतीय फुटबॉल टीम ने एसएफएफ चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में खेले गए ग्रुप-बी के आखिरी मुकाबले में भारत ने मालदीव को 1-0 से हराया। मुकाबले में भारत की जीत के हीरो युवा स्ट्राइकर सुहेल अहमद भट रहे, जिन्होंने पहले हाफ के 38वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने ग्रूप चरण के दोनों मैच जीतकर छह अंक हासिल किए और शीर्ष स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने इससे पहले पाकिस्तान को 3-2 से हराया था। भारत और मालदीव के बीच मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने गोल करने के प्रयास किए। भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने और विपक्षी टीम की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाने की कोशिश की।मालदीव ने भी भारतीय आक्रमण का मुकाबला किया और शुरुआती मिनटों में गोल करने के अवसर नहीं दिए। हालांकि, पहले हाफ के 38वें मिनट में भारत को पेनल्टी के रूप में महत्वपूर्ण मौका मिला।भारतीय खिलाड़ी अब्दुल रबीह गेंद लेकर मालदीव के पेनल्टी क्षेत्र में पहुंचे थे। इसी दौरान मालदीव के डिफेंडर हुसैन सिफाउ यूसुफ ने उन्हें गिरा दिया। रेफरी ने फाउल के बाद भारत को पेनल्टी दे दी।पेनल्टी लेने की जिम्मेदारी सुहेल अहमद भट ने संभाली। उन्होंने शानदार अंदाज में गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचा दिया। मालदीव के गोलकीपर हुसैन शरीफ गेंद को रोकने में सफल नहीं हो सके।इस गोल के साथ भारतीय टीम ने मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0—/ ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लीला बाई पारडे पति स्व. प्रेमलाल पारडे निवासी शारदा धाम के पास नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 313/3 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक विजय पारडे पिता प्रेमलाल पारडे निवासी शारदा धाम के पास नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास दान करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है,जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 30.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलद्वार
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ.ग.)





स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ का परचम.....बिल्हा ने हासिल किया देश में पहला स्थान,रायपुर,बिलासपुर भी पुरस्कृत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों उप मुख्यमंत्री अरुण साव,प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा व महापौरों ने ग्रहण किया राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर,11 नवम्बर 2026। स्वच्छता और बेहतर नगरीय प्रबंधन की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने। जनभागीदारी,आधुनिक नगरीय सुविधाओं और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से हम स्वच्छ,स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाना प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। नगर पंचायत बिल्हा का 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना विशेष उपलब्धि है। यह सम्मान दर्शाता है कि सीमित संसाधनों वाले छोटे नगरीय निकाय भी बेहतर प्रबंधन, स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता और जनसहभागिता के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों का राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयन राज्य में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और नगरीय सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करता है। स्वच्छ सर्वेक्षण के माध्यम से शहरों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता,नागरिक सहभागिता तथा नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित किया जाता है।



मंत्री अरुण साव और सचिव सोनमणि बोरा ने लिया पुरस्कार

छत्तीसगढ़ की ओर से नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव और विभागीय सचिव सोनमणि बोरा ने समारोह में पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि में नगरीय निकायों के अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों और शहर के लोगों की भागीदारी को अहम माना जा रहा है। इस बार पुरस्कार लेने के लिए हर शहर से चार प्रतिनिधियों को मंच पर बुलाने की व्यवस्था की गई थी। इनमें सफाई मित्र, स्वच्छता निरीक्षक, पर्यवेक्षक और स्वच्छता मिशन से जुड़े अधिकारी शामिल रहे।

पिछली बार रायपुर को मिला था देश में चौथा स्थान

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर ने 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देशभर में चौथा स्थान हासिल किया था। शहर को कुल 12,500 अंकों में से 11,996 अंक मिले थे। इस श्रेणी में अहमदाबाद पहले, भोपाल दूसरे और लखनऊ तीसरे स्थान पर रहे थे। रायपुर को सर्वेक्षण के 10 हजार अंकों में से 9,496 अंक मिले थे। वहीं, गार्बेज फ्री सिटी सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 1,300 और ओडीएफ सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 1,200 में पूरे अंक मिले थे। दोनों सर्टिफिकेशन में रायपुर को कुल 2,500 अंक हासिल हुए थे।

4751 से अधिक शहरों का 43 संकेतकों पर हुआ मूल्यांकन

स्वच्छ सर्वेक्षण का यह 10वां संस्करण था। इसमें देशभर के 4751 से अधिक शहरों का 10 प्रमुख क्षेत्रों के 43 संकेतकों पर मूल्यांकन किया गया। इनमें कचरे का पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन,सार्वजनिक स्थानों की सफाई,स्वच्छता सुविधाएं,सीवेज प्रबंधन,नागरिकों की भागीदारी और सफाई कर्मचारियों का कल्याण शामिल था। देशभर में 3 हजार से अधिक प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं ने मौके पर जाकर शहरों की स्थिति जांची। पूरी प्रक्रिया डिजिटल और जीपीएस आधारित निगरानी के जरिए की गई। इस बार सर्वेक्षण की थीम 'स्वच्छता की नई पहल-बढ़ाएं हाथ,करें सफाई साथ' रखी गई थी।

कारोबारी दीपक टंडन पर 3 नई एफआईआर

जमीन-फॉर्च्यूनर बेचने के नाम पर 56 लाख की ठगी,टेंडर दिलाने 15 लाख ऐंठे,सप्ताह में 5 केस

रायपुर,11 नवम्बर 2026। रायपुर के होटल कारोबारी दीपक टंडन उर्फ अंबेडकर टंडन और उनकी पत्नी बरखा टंडन के खिलाफ तेलीबांधा थाने में ठगी के 2 नए मामले दर्ज हुए हैं। एक मामला सक्ती में भी दर्ज हुआ है। इस तरह दीपक टंडन के खिलाफ एक सप्ताह में कुल 5 एफआईआर हुई है। रायपुर में इस बार जमीन, रेस्टोरेंट और लग्जरी कार बेचने के नाम पर 56 लाख रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी करने का आरोप है। दोनों शिकायतें शंकर नगर के रहने वाले बीयर कारोबारी आशीष जायसवाल ने तेलीबांधा थाने में दर्ज कराई हैं। शिकायत के मुताबिक, एक मामले में 16,500 वर्गफीट जमीन और उस पर संचालित एटमॉस्फिरिया रेस्टोरेंट बेचने का सौदा किया गया था। इसके लिए 36 लाख रुपए से ज्यादा लिए गए, लेकिन बाद में पता चला कि जमीन दीपक टंडन के नाम पर नहीं है। वहीं, दूसरे



मामले में 2023 मॉडल की फॉर्च्यूनर लीजेंडर बेचने के नाम पर 20 लाख रुपए लेने का आरोप है। भुगतान के बाद भी कारोबारी को न तो कार मिली और न ही रकम वापस की गई। सक्ती में एक कारोबारी से कोयले का बड़ा सरकारी टेंडर दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपए की ठगी का आरोप है। आशीष जायसवाल ने शिकायत में बताया कि दीपक और बरखा टंडन ने उन्हें 16,500 वर्गफीट जमीन और उस पर संचालित एटमॉस्फिरिया रेस्टोरेंट बेचने का प्रस्ताव दिया था। सौदा 1.16 करोड़ रुपए में तय हुआ था। इस पर भरोसा कर उन्होंने ऑनलाइन और कैश मिलाकर कुल 36 लाख 16 रुपए का भुगतान किया। बाद में आशीष को पता चला कि जिस जमीन को बेचने का सौदा किया गया था, उसका मालिकाना हक दीपक टंडन के पास नहीं है। उन्होंने जब अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोप है कि दंपती ने उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में SC-ST एक्ट के तहत झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है। दूसरी शिकायत में आशीष ने बताया कि 19 अगस्त 2025 को दीपक टंडन ने उन्हें 2023 मॉडल की फॉर्च्यूनर लीजेंडर बेचने का प्रस्ताव दिया था। इसकी कीमत 20 लाख रुपए तय हुई थी। भरोसा दिलाने के लिए लक्ष्मी मोटर्स की डिलीवरी रसीद भी दिखाई गई। आशीष के मुताबिक, उन्होंने 20 लाख रुपए कैश दिए और स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट भी कराया।

महादेव सट्टा केस...सौरभ चंद्राकर की आज रायपुर कोर्ट में पेशी

सीबीआई की रिमांड खत्म,ईडी वारंट एक्जीक्यूट कराने फिर से आवेदन करेगी

रायपुर,11 नवम्बर 2026। 8 दिनों की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को आज रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस पेशी में सबसे अहम बात यह होगी कि सीबीआई आगे की पूछताछ के लिए दोबारा रिमांड मांगती है या नहीं। अगर सीबीआई रिमांड नहीं मांगती है तो ईडी अपने वारंट को लागू कराने के लिए कोर्ट में आवेदन पेश कर सकती है। पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने सौरभ को वारंट पर गिरफ्तार करने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उस समय ईडी के आवेदन को प्रीमैच्योर यानी समय से पहले दाखिल बताया था। अब 12 नवंबर की पेशी में ईडी दोबारा आवेदन पेश करने की तैयारी में है।

पिछली पेशी में ईडी का आवेदन को कोर्ट ने समय से पहले बताया : सौरभ चंद्राकर की पिछली पेशी के दौरान ईडी ने कोर्ट में आवेदन देकर अपने वारंट को एग्जीक्यूट कराने और उससे पूछताछ की अनुमति मांगी थी। हालांकि, उस समय सीबीआई की रिमांड जारी थी। ऐसे में कोर्ट ने ईडी के आवेदन को प्रीमैच्योर बताते हुए समय से पहले माना था। अब सीबीआई की 8 दिन की रिमांड पूरी होने के बाद ईडी के पास फिर से कोर्ट में आवेदन पेश करने का मौका होगा। अगर सीबीआई आगे की रिमांड नहीं मांगती है तो ईडी अपने वारंट को लागू कराने के लिए आवेदन करेगी। इससे सौरभ से पूछताछ की प्रक्रिया में ईडी की एंट्री भी हो सकती है।



8 दिन की पूछताछ में इन पहलुओं पर जांच

सीबीआई ने सौरभ से महादेव ऐप के नेटवर्क, पैनल ऑपरेटरों, हवाला के जरिए हुए लेनदेन और कथित प्रोटेक्शन मनी को लेकर पूछताछ की है। जांच एजेंसी को यह पता लगाना है कि सट्टे से जुटाई गई रकम किन लोगों तक पहुंची और इस पूरे नेटवर्क में किन अधिकारियों और अन्य लोगों की भूमिका थी। सीबीआई ने कोर्ट में रिमांड के दौरान इन पहलुओं पर पूछताछ की जरूरत बताई थी।

2022 में दर्ज हुई थी पहली एफआईआर : महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में 30 मार्च 2022 को दुर्ग के मोहन नगर थाने में पहली एफआईआर दर्ज हुई थी। इसके बाद ईडी ने 6 अक्टूबर 2022 को मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू की। मामले में सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को मुख्य आरोपियों के तौर पर चिन्हित किया गया। सीबीआई ने 18 दिसंबर 2024 को इस मामले में केस दर्ज किया था। जांच में ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क, पैनल ऑपरेटरों, बैंक खातों और हवाला के जरिए रकम के लेनदेन की पड़ताल की जा रही है।

महादेव सट्टा ऐप की सीबीआई कर रही जांच : बता दें कि महादेव सट्टा ऐप से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस मामले से जुड़ी 13 एफआईआर जांच के लिए सीबीआई को सौंपी थीं। इनमें से 2 मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। इसके अलावा ईडी भी मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच कर रही है और सौरभ के खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल कर चुकी है।

116 दिन बाद ओमान से भारत लाया गया : सीबीआई के मुताबिक, महादेव सट्टा नेटवर्क की जांच शुरू होने के बाद से ही सौरभ चंद्राकर फरार था। वह 2023 से दुबई में रह रहा था और उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने कथित तौर पर फर्जी पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल किया और यूएई से ओमान पहुंच गया।

16 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत

रायपुर,11 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सुखदेव भगत 16 से 18 नवंबर तक तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जशपुर, सरगुजा और बलरामपुर जिले के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेंगे। दौरे में बूथ स्तरीय जनचौपाल, कांग्रेस की



संगठनात्मक बैठक और कोयला खदान प्रभावित ग्रामीणों के साथ संवाद के कार्यक्रम शामिल हैं। 16 नवंबर को भगत लोहरदगा से रवाना होकर सुबह 11 बजे छत्तीसगढ़ की सीमा पर शंख नदी में पहुंचेंगे। यहां उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे जशपुर के अघोरेश्वर सोगड़ा आश्रम जाएंगे। दोपहर में जशपुर विधानसभा क्षेत्र के बालाछापर और कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के पतरा टोली में बूथ स्तरीय जनचौपाल में शामिल होंगे। कुनकुरी में भोजन के बाद वे कैथोलिक चर्च में बिशप से सौजन्य भेंट करेंगे और हनुमान टेकरी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र के कांसाबेल में जनचौपाल करेंगे। पत्थलगांव में जिला कांग्रेस कमेटी के दिवंगत उपाध्यक्ष हरगोविंद अग्रवाल को श्रद्धांजलि देंगे और उनके परिजनों से मुलाकात करेंगे। शाम को सरगुजा जिले के मैनपाट के कमलेश्वरपुर पहुंचेंगे। 17 नवंबर को मैनपाट में बौद्ध मठ में दर्शन के बाद भगत उदयपुर पहुंचेंगे। यहां बूथ स्तरीय जनचौपाल में शामिल होंगे। इसके बाद ग्राम साल्ही में पीईकेबी, परसा, केते एक्सटेंशन और तारा कोल ब्लॉक से प्रभावित ग्रामीणों और संबंधित हितधारकों के साथ बैठक करेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया जाएगा जनजातीय गौरव दिवस

रायपुर,11 नवम्बर 2026। देश के स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय समाज के अतुलनीय योगदान, अदम्य साहस, बलिदान और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर रायगढ़ जिले के घरघोड़ा में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। वहीं 11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक,सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय इतिहास, संस्कृति और परंपरागत ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में प्रयासरत है। राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य जनजातीय समाज के उन महानायकों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्रप्रेम को जन-जन तक पहुंचाना है, जिन्होंने



मातृभूमि की स्वतंत्रता और सामाजिक स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जनजातीय गौरव दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं,बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन स्वर्णिम अध्यायों को राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित करने का अवसर है, जिनमें जनजातीय नायकों के साहस, नेतृत्व और बलिदान की अमिट गाथाएं अंकित हैं। भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के अनेक जनजातीय वीरों ने औपनिवेशिक शासन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की थी। छत्तीसगढ़ के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर और अन्य जनजातीय नायकों की संघर्षगाथाएं आज भी स्वाभिमान, सामाजिक न्याय और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती हैं। राज्य शासन के आदिम जाति विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 15 नवंबर को धरमजयगढ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों तथा जनजातीय हितग्राहियों के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे।

दो करोड़ की सोने-चांदी की लूट निकली फर्जी

कर्ज से परेशान व्यापारी ने रची थी झूठी कहानी,पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी खंगालकर किया खुलासा

बीजापुर,11 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में करीब दो करोड़ रुपये के सोने-चांदी और नगदी की लूट का मामला फर्जी निकला है। गौदम के एक सोने-चांदी के व्यापारी ने कर्ज से परेशान होकर लूट की झूठी कहानी रची थी। व्यापारी ने पुलिस को सूचना दी थी कि तीन अज्ञात बदमाशों ने पिस्टल और चाकू दिखाकर करीब दो करोड़ रुपये के सोने-चांदी, नगदी और मोबाइल फोन लूट लिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन विशेष टीमों का गठन किया और 16 घंटे तक नाकेबंदी कर जांच की। इस दौरान 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ में पूरी कहानी फर्जी निकली। दरअसल,मामला नेलसनार थाना क्षेत्र के पांडेमुर्गा चौक के पास एनएच-63 का है। पुलिस के मुताबिक, 9 नवंबर 2026 को गौदम के सोने-चांदी के व्यापारी स्वरूप सोनी ने थाना नेलसनार पहुंचकर लूट की सूचना दी थी। उसने बताया कि वह भैरमगढ़ में ज्वेलरी की दुकान संचालित करता है। 9 नवंबर की शाम करीब 6 बजे वह तूफान वाहन में चालक देवेंद्र ठाकुर और कपड़ा व्यापारी ललित बुरड़ के साथ भैरमगढ़ से गौदम के लिए निकला था।



प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)